Weather Report
अधिकतम तापमानः 32.0c
न्यूनतम तापमानः 21.0c
हवा गतिः 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबहः 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 10 अंकः 336 जयपुर, मंगलवार, 07 मई 2024 पृष्ठः8 मूल्यः ` 1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

इसके लिए कानूनी सलाह ले रहा हूं, 2014 में कहा था- हर भारतीय को 15 लाख मिलेंगे

पीएम नरेन्द्र मोदी बोले- लोगों से लूटा धन उन्हें वापस लौटाएंगे

■ संजीवनी टुडे

हैदराबाद/भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'वे कानूनी सलाह ले रहे हैं कि लोगों से जो धन भ्रष्टाचार के जरिए लूटा गया है, उसे लोगों को कैसे लौटाया जाएगा। पीएम ज्यादातर चुनावी रैलियों में करप्शन का जिक्र कर रहे हैं। इससे पहले वे पश्चिम बंगाल, आगरा, मेरठ में भी इसी तरह की बात कह चुके हैं। सोमवार को उन्होंने आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम के वेमागिरी में फिर इसी बात को दोहराया। रविवार यानी 6 जून को झारखंड के मंत्री के सचिव के नौकर के घर से मिले 30 करोड़ रुपए का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता है कि ऐसे लोग गांधी परिवार के करीबी क्यों निकलते हैं। इन लोगों ने अपने नौकर के घर को भ्रष्टाचार का गोदाम बना दिया है। पीएम ने कहा कि ये पहली बार नहीं है कि किसी विधायक के पास से इतनी बड़ी रकम पकड़ी गई है। इससे पहली भी झारखंड के एक विधायक के घर से इससे भी बड़ी रकम बरामद की गई थी, जिसे गिनते-गिनते मशीनें भी थक गई थीं। पीएम बोले- केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपए ओडिशा को दिए। वो पैसे यहां की सरकार सही से खर्च ही नहीं कर पाई। मोदी गांव में सड़कें बनाने के लिए पैसा भेजता है, लेकिन यहां गांवों में सड़कों की हालत खराब है।

इसे पीएम के 2014 के 15 लाख वाले से जोड़ा जा रहा

2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने कई चुनावी रैलियों में कुछ ऐसा ही कमेंट किया था। उस समय कहा गया था कि जब विदेशों से काला धन वापस आएगा तो हर भारतीय को बैंक खाते में 15 लाख रुपए मिलेंगे। इसके बाद अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मोदी का बयान एक 'मुहावरा' था और इसका शाब्दिक अर्थ नहीं लिया जाना चाहिए। कभी ऐसा होता है कि किसी के खाते में 15 लाख रुपए आ जाएं। उन्होंने इसे जुमला बताया था। मोदी दिल्ली से मुफ्त चावल के लिए पैसे भेजता है, लेकिन उक्कसरकार इस योजना पर भी अपना फोटो चिपका देती है। प्रधानमंत्री ने कहा- भाजपा ने बहुत गौरव से ओडिशा की मिट्टी में जन्मी, ओडिशा की बेटी को देश का सबसे बड़ा पद दिया है। ये मेरा सौभाग्य है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी मुझे लगातार ओडिशा के विकास के लिए बहुत बारीक-बारीक चीजें बताती हैं। मोदी बोले- ओडिशा में उड़िया संस्कृति को समझने वाला, जीने वाला, गर्व करने वाला और उड़िया संस्कृति के लिए समर्पित भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा, तो आपकी समस्याओं का तेजी से समाधान होगा।

ओडिशा में बोले पीएम- यहां कांग्रेस पस्त, बीजेडी अस्त

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश से पहले ओडिशा के बहरामपुर और नवरंगपुर में रैली की थी। यहां उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि भाजपा जो कहती है, वो करके दिखाती है। इसलिए, यहां सरकार बनने के बाद हम पूरी शक्ति से संकल्प पत्र में की गई घोषणाओं पर अमल करेंगे। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, '4 जून पर यहां की उक्कसरकार की एक्सपायरी डेट लिखी हुई है। आज 6 मई है, 6 जून को उक्क के मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय होगा। 10 जून को भुवनेश्वर में उक्क के मुख्यमंत्री का शपथ समारोह होगा। मैं आज सबको भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथ समारोह के लिए निमंत्रण देने आया हूं। मोदी बोले- ओडिशा में उक्कअस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं। सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है। ओडिशा में करीब 50 साल तक कांग्रेस और करीब 25 साल तक उक्करही, लेकिन क्या हुआ, सबने देखा। प्रधानमंत्री ने कहा- ओडिशा में उपजाऊ भूमि, खनिज संसाधन, समुद्री तट, बरहामपुर जैसा व्यापार केंद्र, संस्कृति, विरासत और न जाने क्या-क्या है। फिर भी, इस 'अमीर' ओडिशा के लोग गरीब बने हुए हैं। इस पाप के लिए कौन जिम्मेदार है ? जवाब है कांग्रेस और उक्क! उक्कके छोटे छोटे नेता भी बड़े बड़े बंगलों के मालिक हो गए हैं। इसलिए, भाजपा के मुख्यमंत्री, भाजपा की सरकार का शपथ समारोह होना चाहिए।

पुंछ हमला-सेना ने 2 आतंकियों के स्कैच जारी किए

20 लाख का इनाम भी, 2 दिन पहले वायुसेना के काफिले पर फायरिंग की थी

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुंछ में 4 मई को एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें 1 जवान कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। सोमवार को सेना ने हमले में शामिल आतंकियों के स्कैच जारी किए हैं। साथ ही उन पर 20 लाख के इनाम का ऐलान भी किया है। इसी हमले के सिलसिले में पुलिस ने पूछताछ के लिए करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं पुंछ के डन्ना टॉप, शाहस्टार, शिंद्रा और सनाई टॉप इलाकों में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान तीसरे दिन भी जारी है। हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े का आज गृह ग्राम नोनिया करबल (छिंदवाड़ा) में अंतिम संस्कार होगा। सेना के हेलिकॉप्टर से उनका पार्थिव शरीर नागपुर से सुबह 10.30 बजे इमलीखेड़ा हवाई पट्टी (छिंदवाड़ा) लाया गया। गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद विशेष वाहन से पार्थिव शरीर को परासिया रोड से नोरिया करबल ले जाया गया। विक्की 5 साल के बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए 7 जून को छिंदवाड़ा आने वाले थे। 10 दिन पहले ही छोटी बहन की गोद भराई की रस्म थी। इसके लिए 1 महीने की छुट्टी लेकर आए थे। 18 अप्रैल को ही वे छिंदवाड़ा

से ड्यूटी पर लौटे थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य ने इस हमले को लोकसभा चुनाव से पहले लोगों में डर फैलाने की साजिश बताया है। उन्होंने कहा-राजौरी-पुंछ जिलों में आतंकियों की सक्रियता चिंता बढ़ाने वाली बात है। बीते एक साल में इन्हीं दो जिलों के 120 किमी के दायरे में 7 आतंकी हमले हुए हैं। इनमें से 3 हमले जवानों के काफिले पर हुए हैं। इन हमलों में सुरक्षा चूक की बात से इनकार नहीं कर सकते हैं। सेना के मूवमेंट की ड्रोन से निगरानी होनी चाहिए। दोनों जिलों से बॉर्डर करीब 30 किमी दूर है। यह पूरा इलाका ऊंचे पहाड़, घने जंगलों वाला है। कश्मीर की सीमा पर बिजली की बाड़ लगने के बाद आतंकी जम्मू रीजन में शिफ्ट हुए हैं। 2022 तक राजौरी-पुंछ दोनों में शांति थी, लेकिन अब आतंकी यहीं सबसे ज्यादा सक्रिय हैं।

प्रमोद कृष्णम का आरोप-राहुल राममंदिर पर फैसला पलटना चाहते हैं

करीबियों से कहा था- सरकार बनी तो शाहबानो केस की तर्ज पर एक्शन लेंगे

■ संजीवनी टुडे

मुरादाबाद। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया है कि वह राम मंदिर पर फैसला पलटना चाहते हैं। सोमवार को यूपी के संभल में न्यूज एजेंसी इगक्र से बातचीत में उन्होंने कहा- जब राम मंदिर का फैसला आया तो राहुल गांधी ने अपने करीबियों के साथ बैठक की थी। उसमें राहुल ने कहा था- कांग्रेस की सरकार बनने के बाद वह एक सुपर पावर कमेटी बनाएंगे। यह कमेटी राम मंदिर के फैसले को वैसे ही पलट देगी, जैसे राजीव गांधी ने शाह बानो के फैसले को पलट दिया था। प्रमोद कृष्णम ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी टीम देश को किसी न किसी बहाने से तोड़ना चाहती है। मैं कांग्रेस में 32 साल से ज्यादा समय तक रहा हूं। पहले की कांग्रेस और वर्तमान कांग्रेस में काफी फर्क है। प्रमोद कृष्णम ने कहा- कांग्रेस पार्टी की जब स्थापना हुई थी तो देशभक्त नेता थे। उस वक्त की कांग्रेस ने देश को जोड़ने का काम किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने भारत को जोड़ने का काम किया। वर्तमान कांग्रेस देश को तोड़ना चाहती है। राहुल गांधी और उनकी टीम देश को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर तोड़ने में जुटी हुई है। इसलिए वह गलत बयानबाजी कर रहे हैं। प्रमोद कृष्णम ने कहा- मंदिर जाने से कोई

हिंदू नहीं बन जाता या सिर्फ मस्जिद में जाने से कोई मुसलमान नहीं बन जाता। जो ईसा मसीह में विश्वास नहीं करता, वह ईसाई नहीं हो सकता। उसी तरह, जो भगवान राम से नफरत करता है, वह हिंदू नहीं हो सकता। दुनिया जानती है कि राम मंदिर निर्माण को रोकने के प्रयासों ने सनातन धर्म में विश्वास करने वालों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इस तथ्य पर कोई पर्दा नहीं है कि भगवान राम से कौन प्यार करता है या कौन नफरत करता है। प्रमोद कृष्णम (59) संभल के गांव ऐचोड़ा कम्बोह के रहने वाले हैं। फिलहाल गाजियाबाद और दिल्ली में रहते हैं। कांग्रेस ने साल 2014 में संभल और 2019 में लखनऊ से प्रत्याशी बनाया था। संभल में 2014 में मोदी लहर में मात्र 16034 वोट मिले थे।

क्या है शाह बानो केस

शाह बानो का निकाह इंदौर के एक वकील मोहम्मद अहमद खान से हुआ था। इस निकाह के करीब 14 साल बाद अहमद खान ने दूसरा निकाह कर लिया। 1978 में अहमद खान ने शाह बानो को तीन बार तलाक (ट्रिपल तलाक) बोलकर तलाक दे दिया और घर से बेदखल कर दिया। तब खान ने शाह बानो से वादा किया कि वो गुजारा भत्ता के तौर पर हर महीने उसे 200 रुपए देगा, लेकिन कुछ ही महीनों बाद वो इससे मुकर गया। मामला इंदौर की एक अदालत में पहुंचा और शाह बानो ने गुजारा भत्ता के लिए 500 रुपए महीने की मांग की।

फारूक अब्दुल्ला बोले- पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनीः कहा

हम पर उसका एटम बम गिरेगा; राजनाथ सिंह के पोक पर दिए बयान पर कमेंट किया

■ संजीवनी टुडे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व एख्र फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ''पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं और उसके पास परमाणु बम भी हैं जो हम पर गिरेंगे।'' उनकी ये टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 'घ्रख का भारत में विलय होगा' के बयान पर आई है। अप्रैल महीने में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत में हो रहे विकास को देखते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (घ्रख) के लोग खुद भारत के साथ रहने की मांग करेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा था कि चिंता मत करें, पीओके हमारा था, है और हमारा रहेगा। भारत की ताकत बढ़ रही है। दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। अब पीओके में हमारे भाई-बहन खुद भारत के साथ आने की मांग करेंगे। पाकिस्तान, पोक को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है और उसे आजाद कश्मीर बताता है। मौजूदा समय में पाकिस्तान ने पोक को गिलगिट और बाल्टिस्तान, दो हिस्सों में बांट रखा है। भारत सरकार समय-समय पर पोक को वापस लेने की बात कहती रही है। 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा सरकार बनने के बाद यह मुद्दा ज्यादा गरमा गया।

पुंछ हमले पर भी सवाल उठाए

फारूक अब्दुल्ला ने पुंछ हमले पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि, 'यह बहुत अफसोसजनक है। वे कहते थे कि आतंकवाद के लिए 370 जिम्मेदार है तो आज 370 नहीं है, अब इस देश में आतंकवाद है या नहीं, इसका जवाब आप गृह मंत्री अमित शाह से पूछें? हमारे सिपाही रोज शहीद होते हैं लेकिन वे खामोश हैं।' वसेकयानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का वह हिस्सा है जो पाकिस्तान के साथ लगता है। 1947 में बंटवारे के बाद पाकिस्तान ने कबीलाई विद्रोहियों की मदद से जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर कब्जा कर लिया था। भारतीय फौज इस हिस्से को वापस लेने के लिए लड़ रही थी, मगर उसी समय भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू कश्मीर के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ (ठग) चले गए। ठग ने दखल देकर दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवा दिया और 'जो जहां था, वहीं काबिज हो गया। उसी समय से दोनों देशों की फौजें इंटरनेशनल सरहद की जगह लाइन ऑफ कंट्रोल के दोनों तरफ डटी हैं। पोक दोनों मुल्कों के बीच खींची गई 840 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा है। मोदी सरकार की ओर से जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म किए जाने के बाद घ्रख को वापस लेने की मांग जोर-शोर से उठती रही है। देश मंत्री एस जयशंकर ने ओडिशा दौरे में घ्रख को भारत का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा था कि लोग घ्रख को भूला चुके थे, लेकिन लोग अब इसे फिर से देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं।

फरीदाबाद भाजपा अध्यक्ष के अपमान पर पंजाबियों में रोषः बोले

25 मई को बदला लेंगे, राजकुमार नहीं, ये पूरी बिरादरी का अपमान

■ संजीवनी टुडे

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में भाजपा की विजय संकल्प रैली में भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर द्वारा भाजपा के जिला प्रधान राजकुमार वोहरा का हाथ झटकने के मामले ने अब तुल पकड़ लिया है। पंजाबी समाज ने इस पर रोष जताया है। पंजाबी नेताओं ने राजकुमार का अपमान पूरी पंजाबी बिरादरी का अपमान है और आने वाली 25 मई को पंजाबी इसका बदला लेंगे। फरीदाबाद में पंजाबी नेता मनीष सिंह भाटिया, समाज सेवी अमर जीत उर्फ सन्नी, दशहरा बचाओ समिति, रिक्की कथूरिया समाज सेवी और एनआईटी 5 नंबर मार्किट कमेटी के प्रधान मंजीत सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीजेपी के जिला अध्यक्ष का भरे मंच पर हजारों की भीड़ में भाजपा प्रत्याशी द्वारा हाथ झटक कर अपमान किया गया है। बीजेपी के जिला अध्यक्ष राजकुमार का परिवार संघी परिवार रहा है। वर्षों से संघ की सेवा की है। उनका पंजाबी बिरादरी में एक अलग ही कद है। लेकिन कृष्णपाल गुर्जर ने उनका इस तरह से मंच पर अपमान करके न केवल राजकुमार वोहरा का अपमान किया, बल्कि पूरी पंजाबी बिरादरी का अपमान किया है। पंजाबी बिरादरी इस अपमान को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। आने वाली 25 मई को वह दिखा देंगे कि पंजाबी बिरादरी का अपमान करना कृष्णपाल गुर्जर के लिए कितना भारी पड़ेगा। इस मौके पर समाज सेवी मनजीत भाटिया ने बताया कि वह कल से लेकर अब तक कई बार जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा को फोन मिला चुके हैं, लेकिन उनका फोन बंद जा रहा है।

राधिका खेड़ा बोलीं- मुझे कमरे में बंद किया, चीखती-चिल्लाती रहीः कहा

राहुल की यात्रा के दौरान शराब ऑफर की, सुशील आनंद शुक्ला ने भेजा मानहानि का नोटिस

■ संजीवनी टुडे

रायपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने कहा कि, राहुल गांधी की यात्रा के दौरान मुझे सुशील आनंद शुक्ला ने शराब ऑफर की। भूपेश बघेल ने कहा छत्तीसगढ़ छोड़ दो। राजीव भवन में मुझे बंद किया गया, मैं चीखती-चिल्लाती, गुहार लगाती रही। मुझे गालियां दी गईं। मैंने ये बात सचिन पायलट, भूपेश बघेल और जयराम रमेश को बताई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद सोमवार को दिल्ली में राधिका खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने प्रियंका गांधी के नारे, 'लड़की हूं तो लड़ सकती हूं' पर भी कटाक्ष किया। कहा कि, कांग्रेस का अब स्लोगन है 'लड़की हो तो पिटोगी'। वहीं दूसरी ओर रायपुर में सुशील आनंद शुक्ला ने राधिका खेड़ा को मानहानि का नोटिस भेजा है। बताया जा रहा है कि, 'क्रियेटिव जिप्सी' नामक जिस कंपनी को भूपेश सरकार में फिल्म निर्माण का जिम्मा दिया गया था, उसकी सीईओ राधिका खेड़ा की मां श्रीमती नीरु खेड़ा हैं. इस कंपनी के भुगतान को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी। राधिका खेड़ा के खिलाफ सुशील आनंद शुक्ला ने मानहानि का नोटिस भेज दिया है। 6 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि, मैं इस मामले को ऐसे ही नहीं छोड़ूंगा।

कभी नहीं सोचा था, कांग्रेस राम विरोधी हो जाएगी

राधिका खेड़ा ने कहा कि मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे ऐसी सजा मिलेगी। वह पार्टी जहां हर बैठक की शुरुआत 'रघुपति राघव राजा राम' से होती थी, वह कांग्रेस पार्टी ''राम विरोधी'' हो जाएगी। इससे पहले राधिका खेड़ा ने कहा था, 'मैं अयोध्या धाम दर्शन करने गई थी। रामलला का दर्शन करने पर विरोध इस कदर से होगा, मैंने कभी नहीं सोचा था। जब से रामलला के दर्शन करके आई हूं, मुझे निरंतर विरोध का सामना करना पड़ा।' राधिका खेड़ा ने कहा पिछले डेढ़ महीने से लगातार हमारी जब स्ट्रैटजी डिस्कस होती थी तो कहा जाता था कि हर चीज को घुमा फिरा के संविधान पर ले आओ। उसके बाद जो कर्नाटक प्रकरण हुआ तो कहा गया कि उक्क को कर्नाटक वाले मुद्दे पर घेरो। आप कर्नाटक की बात करते हैं, आप मणिपुर की बात करते हैं, महिला पहलवानों की बात कर रहे हैं, लेकिन घर में जो महिला नेत्री के साथ हो रहा है उसको लेकर एक-एक महिला नेत्री ने चुप्पी साध ली। महिला कांग्रेस अध्यक्ष, सुप्रिया श्रीनेत किसी ने कुछ नहीं कहा। बल्कि पूर्व महिला कांग्रेस के अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने इस घटना के बाद मुझे कॉल कर कर डांटा और कहा कि यह क्या कर रही हो। राधिका ने कहा, 'मैं एक हिंदू हूं, मैं एकसनातन धर्म की अनुयायी हूं, इसलिए मुझे न्याय नहीं मिला। क्या आपकी (कांग्रेस) लड़ाई रामलला से है या आपकी लड़ाई किसी राजनीतिक दल से है? इस पार्टी को फैसला करना होगा। मैंने 6 दिनों तक इंतजार किया और न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसलिए 22 साल बाद मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। दुशील शब्द से मेरी भावनाएं आहत हुई है मैं इस पर पूरी लड़ाई लड़ूंगा।

तीसरा फ़ेज, 11 राज्यों की 93 सीटों पर वोटिंग कल

एमपी में मामा, महाराजा और राजा की किस्मत दांव पर; महाराष्ट्र में ननद-भौजाई मैदान में

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे फ़ेज में मंगलवार (7 मई) को 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर वोटिंग होगी। पहले इस फ़ेज में 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटें थीं, लेकिन 21 अप्रैल को सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रद्द होने और 8 कैंडिडेट के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम की वजह से अनंतनाग-राजौरी सीट का चुनाव टाल दिया गया है। अब यहां छठे फ़ेज में 25 मई को वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा मध्य प्रदेश की बैतूल सीट से बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद सेकेंड फ़ेज (26 अप्रैल) को होने वाली वोटिंग 7 मई को शिफ्ट कर दी गई। मध्य प्रदेश की तीन सीटों- विदिशा से शिवराज सिंह चौहान (मामा), गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया (महाराजा) और राजगढ़ से दिग्विजय सिंह (राजा) की किस्मत दांव पर है। इसके अलावा महाराष्ट्र की अमरावती सीट पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार यानी ननद-भौजाई के बीच सीधा मुकाबला है। चुनाव आयोग के अनुसार, तीसरे फ़ेज में कुल 1352 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1229 पुरुष और 123 (9%) महिला हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार, 244 कैंडिडेट्स आपराधिक छवि के हैं। 392 कैंडिडेट्स के पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति हैं। एडीआर की रिपोर्ट बताती है, 244 (18%) उम्मीदवारों पर आपराधिक केस हैं। इनमें से 172 (13%) पर हत्या, अपहरण, बलात्कार जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। 5 उम्मीदवारों पर हत्या और 24 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। 38 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से दो पर बलात्कार के मामले चल रहे हैं।

जयपुर ब्लास्ट मामले में जेजेबी में पूरी नहीं हुई ट्रायल

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा-बोर्ड में नहीं है अधिकारी, कोर्ट ने 15 मई तक ट्रायल के लिए कहा था

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर बम ब्लास्ट प्रकरण में जिंदा बम मिलने के मामले में नाबालिग आरोपी को लेकर चल रही ट्रायल जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में पूरी नहीं हो सकी है। इसे लेकर पिछली सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई तक ट्रायल पूरी करने का आदेश दिया था। लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा कि बोर्ड में पीठासीन अधिकारी नहीं होने से ट्रायल पूरी नहीं हो पाई हैं। हम हाई कोर्ट से आग्रह करेंगे कि बोर्ड में पीठासीन अधिकारी जल्द लगाएं। इस पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एम एम सुन्दरेश व जस्टिस एस वी एन भट्टी की बैंच ने नाबालिग आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई अगले सप्ताह तक टाल दी। दरअसल, नाबालिग आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाकर कहा था कि उसे ब्लास्ट के 8 प्रकरणों में हाईकोर्ट बरी कर चुका है, लेकिन जिंदा बम मामले में समान तथ्यों व गवाहों के आधार पर ट्रायल चल रहा है, ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए सरकार ने कहा कि नाबालिग आरोपी की बम विस्फोट मामले में प्रमुख भूमिका रही।

पांच में से दो आरोपियों को मिल चुकी है जमानत

दरअसल जयपुर बम ब्लास्ट केस में 8 मामलों में बम ब्लास्ट मामलों की विशेष अदालत ने 20 दिसम्बर 2019 को 4 आरोपियों सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आज़मी व नाबालिग (जिसे बाद में हाईकोर्ट ने घटना के समय नाबालिग माना) को फांसी की सजा सुनाई थी। वहीं, एक आरोपी शाहबाज अहमद को बरी कर दिया था। आरोपियों की दलील थी कि शाहबाज जेल से रिहा न हो जाए, इसके लिए जानबूझकर पुलिस ने करीब 11 साल पहले दर्ज जिंदा बम मामले में आरोपियों को फिर से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में शाहबाज को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। इसके बाद आरोपियों की अपील पर फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने 29 मार्च 2023 को निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन जिंदा बम मामले के केस में सभी आरोपी जेल में बंद थे। बाद में मोहम्मद सरवर आज़मी को हाई कोर्ट से अक्टूबर 2023 को जमानत मिल गई थी।

खबरें फटाफट

हज यात्रियों के लिए दो दिवसीय टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। हज यात्रियों के लिए दो दिवसीय टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हज हाउस रामगढ़ मोड़ कर्बला में 4-5 मई तक आयोजित किया गया जिसमें प्रथम दिन 389 द्वितीय दिन 216 कुल 605 हज यात्रियों एवं शेष हज यात्रियों का टीकाकरण किया गया। हज कमेटी के अध्यक्ष अमीन कागजी राजस्थान स्टेट हज कमिटी द्वारा टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सभी चयनित हज यात्रियों मुकदस सफर के लिए मुबारक बाद दी राज्य सरकार के निर्देशअनुसार हज यात्रा को सुगम एवं सफल बनाने हेतु विभिन्न राज्यों के विभागों नगर निगम ग्रेटर व हेरिटेज जेडीए यातायात वे बैंक तथा इमीग्रेशन कस्टम सीआईएसफ आदि एवं एयरपोर्ट के सम्बंधित विभागों से संपर्क कर हज की तैयारियां कि जा रही है राज्य के कुल 369 चयनित हज यात्री मुकदस सफर पर जायेंगे एयरपोर्ट जयपुर से 3671 दिल्ली से 114 मुम्बई से 166 बेंगलुरु से 05 एवं अहमदाबाद से 13 हज यात्री हज के लिए रवाना होंगे।

अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से फैली सनसनी

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के बांदीकुई मार्ग स्थित ग्राम गोठ के समीप एक अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर थानाधिकारी रामजीलाल मीणा मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने शव को कब्जे में लेकर राजगढ़ सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया दिया। थानाधिकारी रामजीलाल मीणा ने बताया कि मृतक वृद्ध की उम्र 60 वर्ष के करीब है। मृतक ने मैले कपड़े पहने हुए है। पुलिस मृतक के शिनाख्तगी का प्रयास कर रही है।

स्वर्गीय रीना मीना की पुण्यतिथि पर राजकीय बालिका छात्रावास सपोटरा में वाटर कूलर किया भेंट

■ संजीवनी टुडे

करौली। राजकीय बालिका आश्रम छात्रावास सपोटरा की वार्डन विमला मीना की अध्यक्षता में स्व रीना मीना पहाड़पुरा (जोडली) सपोटरा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर पति नरेश चंद मीना नर्सिंग ऑफिसर एवम देवर दिनेश चंद मीना एसिटेंट प्रोफ़ेसर करौली के द्वारा स्थानीय छात्रावास की छात्राओं के लिए रीना मीना की स्मृति में वाटर कूलर स प्रेम भेंट किया गया दिनेश चंद मीना इस प्रकार के सामाजिक कार्य करने में अपने छेत्र और महाविद्यालय करौली की छात्र गतिविधियों में हर संभव तत्पर तैयार रहते है छात्रावास गार्डन ने बताया कि पुण्यतिथि कार्यक्रम में पुत्र आयुष पुत्री नेहा, आशा मीना, मुकेश राजेश रवि ममता मीना वार्डन गिरधारी लालपुरा, रतनलाल, बजरंगलाल गुप्ता, रामखिलादी मीना, आनंद बर्धन, श्याम आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ एवम भविष्य में इस प्रकार के दान पुण्य कार्यों को बढ़ाया देने का संदेश दिया गया।

7 मई को गणेश मंदिर में उड़ेगा चंदा तथा 8 मई को होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। बीकानेर नगर के 537वें स्थापना दिवस जिला प्रशासन,नगर विकास न्यास, बीकानेर, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर तथा श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर विकास एवं पर्यावरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर विकास एवं पर्यावरण समिति के सचिव सीताराम कच्छावा ने बताया कि, 7 मई मंगलवार को शाम 5:30 बजे श्री लक्ष्मीनाथ जी मंदिर के सामने स्थित गढ़ गणेश मंदिर परिसर में ''चंदा महोत्सव ''का आयोजन किया जाएगा जिसमें बीकानेर के सुप्रसिद्ध चंदा कलाकार ब्रजेश्वर व्यास, गणेश व्यास, अनिल बोड़ा, कृष्ण चंद्र पुरोहित, पेंटर धर्मा, डॉ.मोना सरदार डूडी, अभिषेक बोड़ा, चंद्र मोहन हर्ष,मुकेश जोशी, पवन व्यास तथा मोहित पुरोहित आदि द्वारा विभिन्न संदेश देते हुए ''चंदों'' को प्रदर्शित किया जाएगा ।अतिथियों और सामान्य जन द्वारा इन चंदों को उड़ाया जाएगा तथा बीकानेर शहर की खुशहाली की कामना की जाएगी । समिति के सचिव सीताराम कच्छावा ने बताया कि दिनांक 8 मई,बुधवार को सायं 7:30 बजे श्री लक्ष्मीनाथ जी पार्क में भव्य '' सांस्कृतिक कार्यक्रम ''का आयोजन किया जाएगा । जिसमें स्थानीय कलाकारों एवं राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,जोधपुर के आमंत्रित कलाकारों द्वारा गीत ,संगीत तथा नृत्य की भव्य प्रस्तुतियां दी जाएगी।

विधायक व्यास ने चंदा उड़ाकर की शहर की खुशहाली और समृद्धि की कामना

■ संजीवनी टुडे

'अन्न-धन रो भंडार भरै मां, मौज मनावे टाबरिया'

बीकानेर। बीकानेर नगर के 537वें स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक सेवा केन्द्र का चार दिवसीय नगर स्थापना दिवस समारोह सोमवार को प्रारम्भ हुआ। पहले दिन विधायक व्यास ने शहरवासियों के साथ धरणीधर मैदान में चंदा उड़ाया और शहर की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान 'अन्न-धन रो भंडार भरै मां, मौज मनावै टाबरिया', 'गवरा दादी पून दै, टाबरियां रौ चंदो उडै' तथा 'आकासां में उडै म्हारौ चंदौ-लखमीनाथ म्हारी स्हाय करै' जैसे दोहों के साथ हवा में चंदा उड़ाया गया। विधायक व्यास ने कहा कि नगर स्थापना दिवस हम सभी के लिए गर्व

और खुशी का अवसर है। राव बीका का बसाया यह शहर आज देश और दुनिया में विशेष पहचान रखता है। स्थापना दिवस का समारोह प्रत्येक बीकानेरवासी मनाए, इसके मद्देनजर यह शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्षों में इसे और अधिक भव्य तरीके से मनाया जाएगा। इस दौरान विधायक व्यास ने चाइनीज मांझे का उपयोग नहीं करने तथा दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक त्यौहार को पारम्परिक रूप से मनाया जाए, जिससे हमारे पूर्वाजें की परम्पराओं का युवा पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जागरुक नागरिक होने के नाते हमें चाइनीज मांझे का विक्रय, उत्पादन और भंडारण करने वालों की जानकारी प्रशासन और पुलिस को देनी चाहिए। चंदा महोत्सव प्रभारी पवन व्यास ने बताया कि इस दौरान विभिन्न संदेशपरक चंदे उड़ाए गए। उन्होंने चंदा उड़ाने की परम्परा के बारे में जानकारी दी। बृजेश्वर व्यास, गणेश लाल व्यास और राहुल व्यास ने चंदा उड़ाने में सहयोग किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शशि शर्मा, पूर्व पार्षद शिव कुमार रंगा, पार्षद अरविंद किशोर आचार्य, राजकुमार किराडू, जेपी व्यास, पूर्व उपमहापौर अशोक आचार्य, वीरेंद्र किराडू, राजकुमार पारीक, दीपक व्यास, भगवती प्रसाद गौड़, आनंद जोशी, एसएन आचार्य, सरजू नारायण पुरोहित, दुर्गा शंकर आचार्य, शेखर आचार्य, एसएन आचार्य, अनादि पारीक, भंवर पुरोहित, गोपाल आचार्य, अनिल आचार्य, एड. त्रिलोक नारायण पुरोहित, राजेंद्र शर्मा, रामकुमार व्यास, दुर्गाशंकर आचार्य, नेमीचंद तंवर, दिनेश सांखला, पूर्व पार्षद प्रेम सिंह मेडतिया, रामपाल सैन, रमेश स्वामी, नारायण हर्ष, मुरली व्यास, आदि मौजूद रहे।

बुधवार को कवि बिखेरेंगे कविताओं की सुर लहरियां

विधायक व्यास ने बताया कि नगर स्थापना दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को बारहगुवाड़ में सायं 7.30 बजे से विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें बाबूलाल छंगाणी, मनीषा आर्य सोनी, राजेन्द्र स्वर्णकार, डॉ. कृष्णा आचार्य, संजय आचार्य वरुण, लीलाधर सोनी, गोपाल पुरोहित और आनंद मस्ताना आदि कविताओं की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में लम्बे समय बाद ऐसा कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विधायक ने बताया कि इसी श्रृंखला में 8 मई को दीपदान का कार्यक्रम होगा। इसके तहत जस्सूसर गेट के अंदर वृहद स्तर पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

राजस्थान में जियो का दबदबा बरकरार, मार्च माह में 1.46 लाख ग्राहक जोड़े, ट्राई रिपोर्ट

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। रिलायंस जियो ने राजस्थान में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया है। जियो ने राजस्थान में 31 मार्च, 2024 तक 2.67 करोड़ ग्राहकों का आधार हासिल किया है। इस बड़े ग्राहक आधार के साथ जियो राजस्थान में नंबर एक टेलीकॉम ऑपरेटर के स्थान पर बरकरार है। ट्राई की रिपोर्ट अनुसार, मार्च महीने में जियो ने राजस्थान में कुल 1.46 लाख नए उपभोक्ताओं को जोड़ा और अन्य दूरसंचार ऑपरेटरों से बेहतर प्रदर्शन किया। मार्च 2024 में भारती एयरटेल ने 80,152 ग्राहक जोड़े। वहीं, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल ने राजस्थान में क्रमशः 83,800 लाख और 1.14 लाख मौजूदा ग्राहक खो दिए। राजस्थान का कुल वायरलेस सेवा का ग्राहक आधार 31 मार्च, 2024 तक बढ़कर 6.63 करोड़ पहुंच गया है और इस महीने में कुल ग्राहक आधार 28,014 तक बढ़ा है। ट्राई की रिपोर्ट अनुसार, जियो राजस्थान में 2.67 करोड़ ग्राहकों के साथ शीर्ष पर है, जिसके बाद भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल की ग्राहक संख्या क्रमशः 2.33 करोड़, 1.06 करोड़ और 55.62 लाख रही। जियो ने राजस्थान के 350 से अधिक शहरों और कस्बों में 5जी सेवाएं शुरू कर दी है और राज्य में इसकी 5जी कवरेज सबसे व्यापक और बड़ी है।

एक शाम देवानंद के नाम, देव गीत माला'' कार्यक्रम आयोजित

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। द एवरग्रीन देव आनन्द सोसाइटी जयपुर की तरफ से राजधानी के मानसरोवर में मुहाना मण्डी के समीप स्थित सनशाइन प्राइम सोसाइटी कैम्पस में ''एक शाम देवानंद के नाम देव गीत माला'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक ''बर्ड फ्रीडम डे'' और ''वाणी संयम'' अभियान के संस्थापक विपिन कुमार जैन ने बताया कि बॉलीवुड के मशहूर दिवंगत अभिनेता देव आनंद के 100 वर्ष के सफर के उपलक्ष में उनको श्रद्धांजलि देते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। द एवरग्रीन देव आनन्द सोसाइटी जयपुर के अध्यक्ष रवि कामरा ने बताया कि देव साहिब की यादों को जीवित बनाए रखने के लिए सोसाइटी की ओर से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। कार्यक्रम की सह संयोजिका रुचिका जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में देव आनन्द के कई प्रेमियों के बीच गायकारों ने सुरीली आवाज में देव आनंद अभिनीत फिल्मी गानों को अपनी आवाज

में गाकर को सुनाया और शाम को हसीन बनाया। पूरा कार्यक्रम पुष्प वर्षा के साथ और तिरंगा थीम पर आधारित रहा, जो उपस्थित सभी लोगों के लिए एक यादगार पल बना। यहां गए गीतों में सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था....मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया....खोया खोया चांद....जैसे गानों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शकों को आनंदित कर दिया। इस कार्यक्रम में द एवरग्रीन देव आनन्द सोसाइटी जयपुर के सदस्यों के साथ ही सनशाइन प्राइम सोसाइटी, अनुकंपा प्लेटिना सोसाइटी, वैशाली नगर, मालवीय नगर, जनता कॉलोनी, झोटवाड़ा, सांगानेर करतारपुरा के लोगों ने भी हिस्सा लिया।

सूचना नहीं देने पर ग्राम विकास अधिकारी पर 1000रु का लगा जुर्माना

■ संजीवनी टुडे

अलवर। राजस्थान सूचना आयोग के सूचना आयुक्त मोहन लाल लाठर ने अलवर के पंचायत समिति राजगढ़ के बिघोता पंचायत के वीडीओ को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20 (1) के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर 1000रू प्रत्यर्थी के वेतन से काटकर जमा कराने का जुर्माना लगाकर दंडित किया है। आर टी आई कार्यकर्ता ओम प्रकाश मीणा ने दिनाक वर्ष 2022 में अधिनियम 2005 की धारा 6(1) में सूचना का आवेदन कर सुचना की मांग की गई थी, सूचना नही देने पर सुचना आयुक्त ने दितीय अपील में पारित निर्णय कर अपीलार्थी को सुचना देने के आदेश पारित किया गया था। परंतु समयानुसार सुचना नही देने पर अपीलार्थी ने आयोग में अधिनियम की धारा 18 (1) में परिवाद प्रस्तुत कर सूचना की मांग की, किंतु लोक सुचना अधिकारी ने ना तो सुचना दी, ना ही आयोग के नोटिस के बावजूद आयोग के समक्ष उपस्थित हुए और ना ही दितीय अपील के निर्णय की पालना की, आयोग ने लोक सूचना अधिकारी ग्राम पंचायत बिघोता को धारा 20 (1) का दोषी पाया गया, सूचना आयुक्त ने अपने निर्णय में जिला जिला परिषद अलवर एक्स को ये भी निर्देश दिए की लोक सूचना अधिकारी ग्राम पंचायत बिघोता के विरुद्ध अधिनियम की धारा 20 (2) के अंतर्गत विभागीय नियमो के अनुसार अनुसाशनात्मक कार्रवाई करे एवम कार्रवाई के परिणाम का अंकन लोक सूचना अधिकारी की सेवा अभिलेख में करे। परिवाद सुनवाई के दौरान ग्राम विकास अधिकारीबिघोता अनुउपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया सामान्य चिकित्सालय का निरीक्षण

■ संजीवनी टुडे

सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए दिशा-निर्देश

अलवर। जिला कलक्टर आशीष गुप्ता ने सोमवार को राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने सामान्य वार्ड, महिला वार्ड, सर्जिकल वार्ड, आउटडोर भवन में मेडिकल ओपीडी सर्जिकल ओपीडी रेडियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक ओपीडी, आई ओपीडी, स्किन ओपीडी, दांत,मानसिक रोग ओपीडी, एआरटी, सेंटर, दवा वितरण केन्द्र सहित चिकित्सालय परिसर का निरीक्षण कर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि चिकित्सालय में कुलर, पंखे, लाइटें, दवा, आवश्यक उपकरण आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रूप संचालित रहे ताकि मरीजों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होवे। उन्होंने निर्देश दिये कि कूलर, पंखें आदि

खराब होने पर तुरन्त उन्हें दुरूस्त करावे। साथ ही सुनिश्चित करें कि मरीजों के बैड की बैडशीट नियमित रूप से बदली जाए। उन्होंने सीटी एमआरआई रूम का निरीक्षण कर कहा कि मरीजों की जाने वाली जांच में विलम्ब नहीं होवे। उन्होंने मेडिकल आउटडोर के सामने धनवंतरी प्रांगण के अलावा सभी आउटडोर मरीजों के बैठने के लिए अतिरिक्त बेंच लगाने एवं आउटडोर विंग एवं सीढ़ियों में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए । साथ ही इंडोर बिल्डिंग में फीमेल सर्जिकल, मेल सर्जिकल, मेल मेडिकल, फीमेल मेडिकल फ्लोटिंग वार्ड कैंसर डे केयर के साथ नए बनाए गए 50 बेड्स के वार्ड का निरीक्षण कर वार्ड को जल्द शुरू करने के लिए आवश्यक सामान एवं मानव संसाधनों की डिमांड बना कर बैठक में रखने के निर्देश दिये। उन्होंने चिकित्सालय के सभी ओपीडी/वाडी में चिकित्सालय खुलने के समय के पूर्व साफ सफाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर चिकित्सालय की व्यवस्थाओं एवं चिकित्सालय में मिलने वाली सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। इसके उपरान्त उन्होंने राजकीय शिशु चिकित्सालय में आउटडोर वार्ड, एमटीसी का का निरीक्षण कर नए बने एनएमटीसी वार्ड को शीघ्र शुरू करने तथा इस हेतु आवश्यक सामान एवं मानव संसाधन की डिमांड भिजवाने के निर्देश दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने भीषण गर्मी के दौरान आमजन को एहतियात बरतने की कि अपील

■ संजीवनी टुडे

अलवर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में अत्यधिक गर्मी के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से एहतियात बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इन दिनों अत्यधिक गर्मी होने से आमजन तापघात की चपेट में आ सकते हैं, खासकर हाईरिस्क वाले लोगों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। वहीं आमजन जब भी बाहर निकलें तो छाता व पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर घर से निकलें। उन्होंने चिकित्साधिकारियों को जिले के सभी अस्पतालों में रोगियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, संस्थान में रोगी के उपचार के लिए आपातकालीन किट में ओआरएस, ड्रिपसेट सहित अन्य आवश्यक दवाइयां रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होनेपर गर्म वातावरण में तापघात से सिर का भारीपन व अत्यधिक सिरदर्द होने लगता है। इसके अलावा अधिक प्यास लगना, शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान बढऩा, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का सूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना व बेहोशी जैसी स्थिति का होना आदि लक्षण आने लगते हैं। ऐसे में रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जाना चाहिए। रोगी को होश मे आने की दशा मे उसे ठण्डा पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल आदि दें। उन्होंने बताया कि यदि इन सावधानियों के बाद भी मरीज ठीक नहीं होता है, तो उसे तत्काल निकट की राजकीय चिकित्सा संस्थान ले जाया जाए।

तापघात से बचने के उपाय

उन्होंने ने बताया कि जहां तक सम्भव हो अत्यधिक गर्मी एवं धूप में न निकलें, धूप में शरीर पूर्ण तरह से ढका हो। धूप में बाहर जाते समय हमेशा सफ़ेद या हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़ों का उपयोग करें। बहुत अधिक भीड़ व गर्म घुटन भरे कमरों से बचें। बिना भोजन किए बाहर न निकलें। गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को गमछे या तौलिये से ढक कर ही जरूरी होने पर बाहर निकलें। रंगीन चश्में एवं छतरी का प्रयोग करें। गर्मी में हमेशा पानी अधिक मात्रा में पिएं एवं पेय पदार्थो जैसे निंबू पानी, नारियल पानी, ज्यूस आदि का प्रयोग करें। अधिक गर्मी से प्राय हाइरिस्क श्रेणी वाले लोग जैसे कि कुपोषित बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं व शुगर, बीपी आदि के मरीज शीघ्र प्रभावित होते हैं। यथासंभव इन्हें बाहर न निकलने दें व इनका विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य संबंधी जरूरत होने पर तत्काल 108 नंबर पर कॉल करें या मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर जाएं। नरेगा अथवा अन्य श्रमिकों के कार्यस्थल पर छाया एवं पानी का पूर्ण प्रबन्ध रखे।

क्या क्या न सहे हमने सितम गीत एवं संगीत कार्यक्रम का आजआयोजन होगाः नागल

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। श्री विश्वकर्मा नाट्य संगीत कला संस्थान बीकानेर द्वारा कल मंगलवार की शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक स्थानीय टाउन हॉल में क्या क्या न सहे हमने सितम... गीत एवं संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाहर से आ रहे कलाकार ? अनु सिंह देहली , रशीद देहली सहित स्थानीय कलाकारों के द्वारा सदाबहार हिन्दी फिल्मों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। कार्यक्रम आयोजक संस्था अध्यक्ष मेघराज नागल बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामरतन धारणिया होंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त रूप से दिनेश अग्रवाल एवं एनडी रंगा करेंगे। कार्यक्रम में विशेष मेहमान बीजेपी नेता पुखराज सोनी स्वागत अभिनन्दन किया जायेगा। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुनील बोड़ा, पार्षद शांति लाल मोदी, समाज सेवी जयसिंह चौहान,कवि नेमीचंद गहलोत, बैंक कर्मचारी नेता सुनील दत्त नागल, पूर्व पार्षद सुनील बांठिया, भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष त्रिलोक सिंह चौहान, समाज सेवी सुशील यादव , इं. कमल कान्त सोनी , ओलिवर नानक सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन संजूलता नानक करेंगी।

ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन ने किया रेल प्रशासन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों को प्रताड़ित करने एवं रेल प्रशासन द्वारा रेलवे बोर्ड की नीतियों की पालना नहीं करने पर ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन बीकानेर मंडल के आह्वान पर एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन सोमवार को डीआरएम कार्यालय के मुख्य द्वार पर किया गया। मंडल सचिव मोहनलाल बुनकर ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा जिन मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया था उन मुद्दों को सुलझाने का आश्वासन दिया गया है। कार्यक्रम में सभी 12 शाखाओं से पदाधिकारी उपस्थित हुए। एसोसिएशन द्वारा मंडल सचिव मोहनलाल बुनकर, मंडल अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्यकारी अध्यक्ष निरंजनलाल मीना, अतिरिक्त मंडल सचिव शंकरलाल, मंडल कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार जिलोवा, लीगल एडवाईजर मुकेश चौहान, राजिन्द्र सिंह, नरेंद्र मीना, कार्यशाला सचिव कुशालचंद मीना, कार्यशाला अध्यक्ष सुरजाराम नायक सहित अनेक

उपस्थित हुए। मंडल सचिव मोहनलाल बुनकर ने बताया कि जिन मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया उन मुख्य मांगों में एसएसई/सीएण्डडबल्यू श्रीगंगानगर कृष्णलाल,एसएसई/सीएण्डडबल्यू चूरु खिलाड़ी राम मीना, एसएसई/सीएण्डडबल्यू लालगढ़ राम सिंह मीना का स्थानांतरण रद्द करने, वरिष्ठ लिपिक बीकानेर सुरेश चंद बैरवा का पदस्थापन आदेशों को रद्द कर पुनः चुरू लगाए जाने, कर्मचारियों के स्थानांतरण में नेम नोटिंग नियमों की पालना करने तथा प्रशासनिक आधार पर अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारियों का स्थानांतरण कर हरेशमेंट नहीं करने, जिस स्टेशन पर 50 या अधिक रेलवे आवास उपलब्ध है, उसमें एससी/एसटी कर्मचारियों के लिए टाईप-1, टाईप-2 में दस प्रतिशत तथा टाईप-तीन व टाईप-4 में 5 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था तुरंत प्रभाव से लागू करने, बीकानेर मंडल के उप मंडलों, यूनिटों में अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों की प्रथम नियुक्ति/पदौन्नति स्थानांतरण के मामलों में मुख्यालय द्वारा 27 फरवरी 2014 के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने, ट्रैक मैन्टैनर प्रथम व द्वितीय जो ट्रॉलीमैन का कार्य कर रहे हैं, उनको ट्रालीमैन के पद से हटाकर गैंग में लगाने, मंत्रालयिक संवर्ग में एससी/एसटी का शोर्टफाल उपलब्ध है जिसे अनुसूचित जाति/जनजाति के चिकित्सा विकोटीकृत कर्मचारियों से भरना शामिल है।

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के इक्विटी शेयरों का आईपीओ 8 मई को खुलेगा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बुधवार, 8 मई, 2024 को अपने इक्विटी शेयरों की इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (''ऑफर'') खोलने का प्रस्ताव करती है। इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग में 10,000 मिलियन रुपए तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (''फ्रेश इश्यू'') और बीसीपी टॉपको वीआईआई पीटीई लिमिटेड (''प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक'') द्वारा ऑफर फॉर सेल में 20,000 मिलियन रुपए तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इक्विटी शेयरों की पेशकश 30 अप्रैल, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (''आरएचपी'') के माध्यम से की जा रही है, जो बेंगलूरु में कंपनी रजिस्ट्रार, कर्नाटक (''आरओसी'') के पास दायर किया गया है। आरएचपी के माध्यम से जारी किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (''बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया

लिमिटेड (''एनएसई''बीएसई के साथ, ''स्टॉक एक्सचेंज'') जैसे स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। ऑफर के प्रयोजनों के लिए, नामित स्टॉक एक्सचेंज एनएसई होगा। ब्लैकस्टोन के प्राइवेट इक्विटी एशिया के हेड अमित दीक्षित ने कहा, ह्लआधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए यह लिस्टिंग एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इस बात का एक बड़ा उदाहरण है कि हम क्या करते हैं, हम भारत का निर्माण करने वाले व्यवसायों का निर्माण करते हैं। हम व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अपने पैमाने, नेटवर्क और सर्वोत्तम वैश्विक तरीकों को लेकर आए हैं और कंपनी को उत्पत्ति से संग्रह तक अपनी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने में सशक्त बनाया है। यह एक अद्भुत साझेदारी रही है और व्यवसाय आज जिस स्थिति में है, उस पर हमें इससे अधिक गर्व नहीं हो सकता है। ब्लैकस्टोन प्राइवेट इक्विटी के सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश मेहता ने कहा, ह्लआधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के वंचित भारतीयों को अपना घर बनाने में सक्षम बनाने और कंपनी के परिवर्तन और विकास में भूमिका निभाने के मिशन का हिस्सा बनना फायदेमंद है। हमारी प्राथमिकता कंपनी के नेतृत्व के साथ घनिष्ठ तालमेल के माध्यम से निर्माण करना और ब्लैकस्टोन की पूंजी, संसाधनों और हमारी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता तक पहुंच का उपयोग करना है। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ऋषि आनंद ने कहा, 'यह व्यक्तियों और परिवारों को अपने घरों की चाबियों के साथ सशक्त बनाने की दिशा में हमारी यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। 'घर बनेगा, तो देश बनेगा'के सच्चे अर्थ के साथ, हम राष्ट्र निर्माण और मजबूत समुदायों की नींव रखने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।'

टीम धरणीधर द्वारा वितरित की जाएगी दस हज़ार पतंगें, विधायक जेठानंद व्यास ने किया विमोचन

■ संजीवनी टुडे

बीकानेर। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने सोमवार को टीम धरणीधर द्वारा तैयार दस हजार संदेशपरक पतंगों का विमोचन किया। धरणीधर मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि टीम धरणीधर द्वारा किया गया यह कार्य सामाजिक सरोकारों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे गरीब और जरूरतमंद लोग भी पतंगबाजी करते हुए बीकानेर स्थापना दिवस समारोह मना सकेंगे। उन्होंने कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। टीम धरणीधर इस कार्य में पूर्ण समर्पण से जुटी है। टीम धरणीधर के दुर्गा शंकर आचार्य ने बताया कि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास और कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी के सौजन्य से पांच पांच हजार पतंगें तथा सौ चरखी तैयार करवाई गई हैं। कच्ची बस्तियों में इनका वितरण करवाया जाएगा। इस दौरान भंवर पुरोहित, पूर्व उप महापौर अशोक आचार्य, आनंद जोशी, नरेंद्र आचार्य, महेश आचार्य, दीपक व्यास, राजेश दईया आदि मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

अपने अधिकारो के प्रति जागरूक रहे नरेगा श्रमिक-पीएलवी-देवाराम

■ संजीवनी टुडे

आहोर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत निम्बला मे नरेगा कार्यस्थल पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी-देवाराम ने बाल विवाह निषेध अधिनियम, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम, लोक अदालत, स्थाई लोक अदालत, प्रिलिटिगेशन, श्रमिकों के अधिकार, नशा उन्मूलन, पौधारोपण अभियान सहित विभिन्न नालसा योजनाओ की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नरेगा श्रमिक अपने अधिकारो के प्रति जागरूक रहे,वर्ष मे 100 दिन का रोजगार एवं कार्यस्थल पर छाया,पानी और प्राथमिक उपचार की सुविधा श्रमिको का कानूनी अधिकार है। शिविर मे मेट मुकेश कुमार सहित नरेगा श्रमिक उपस्थित रहे।।

राज्य आयुक्त ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। आज शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल का राज्य मुख्य आयुक्त हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य द्वारा उदयपुर एससीईआरटी में आने पर हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य संगठन के राज्य सचिव नरेंद्र ओदीच्य , राज्य संगठन आयुक्त आर डी गिल, राज्य संगठन आयुक्त कविता ज?न , संभाग मुख्यालय संयुक्त सचिव मनोज कुमार शर्मा ,संजू शर्मा वरिष्ठ अध्यापिका (एडवांस गाइडर) ढेलाणा ,जिला ओर्गेनाइजर शान्ता वैष्णव द्वारा शिष्टाचार भेट की। राज्य सचिव ने गुलदस्ता भेंट किया तथा आर डी गिल राज्य आयुक्त ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया । संगठन की गतिविधियों एवं संगठन के विस्तार के बारे में चर्चा की । शासन सचिव ने संगठन को अपने कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण के साथ साथ विस्तार मे आ रही समस्या का समाधान करने का विश्वास दिलाया।

जिलेभर में चिकित्सा संस्थानों का हुआ औचक निरीक्षण

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर।सलूंबर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिले में संचालित राजकीय अस्पताल, सीएचसी,पीएचसी में दवा एवं जांच की उपलब्धता वार्ड,लेबर रूम, शौचालयों में स्वच्छता की जांच सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी बुनकर द्वारा की गई। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि मुख्य सचिव के निर्देशानुसार आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।उन्होंने बताया कि उनके निर्देशानुसार आवश्यक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को सुलभ हो इसके लिए जिले के अधिकारियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी बुनकर ने राजकीय जिला चिकित्सालय सलूंबर एवं विभिन्न सीएचसी,पीएचसी का निरीक्षण किया सीएचसी में नियमित रूप से साफ-सफाई के साथ-साथ पार्किंग की उपयुक्त व्यवस्था,नई बेडशीट ओर पर्दे लगवाने के निर्देश दिए साथ ही मरीजों से भी संवाद किया और उन्होंने परिसर में पौधे लगाने के निर्देश दिए है एवं नियमित रूप से बेहतर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी बुनकर के साथ में डॉ देवेन्द्र पुरी गोस्वामी भी उपस्थित रहे।

अवैध पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

घंटाघर। पुलिस ने अवैध पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया। घंटाघर थानाधिकारी भवानी सिंह राजावत घंटाघर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर नई पुलिया पर नाकाबंदी के दौरान शोयेब शेख उर्फ पहलवान पुत्र जाज मोहम्मद शेख निवासी चांदपोल बाहर,नागा नगरी,अम्बामाता जिला उदयपुर को अवैध पिस्टल के साथ बाद पुछताछ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त है अम्बामाता थाने का हिस्ट्रीशीटर,14 प्रकरण दर्ज गिरफ्ताशुदा अभियुक्त शोयेब शेख उर्फ पहलवान पुलिस थाना अम्बामाता का हिस्ट्रीशीटर बदमाश होकर उसके खिलाफ पूर्व में प्राणघातक हमले,आर्मस एक्ट,एनडीपीएस एक्ट सहित कुल 14 प्रकरण दर्ज है।

राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र में युवक ने खुद पर नहीं किया हमला घटना में आया नया मोड़ पत्नी के घर वालो के ऊपर लगाया आरोप

■ संजीवनी टुडे

राजसमन्द। चारभुजा थाना क्षेत्र में अपनी प्रेमिका के घर मिलने गए युवक ने आज मीडिया के सामने एक बड़ा बयान दिया है इस बयान में युवक ने प्रेमिका के परिजनों के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी प्रेमिका सीमा ने उसे फोन कर घर बुलाया यहां पहले से प्रेमिका के परिजनों ने प्लानिंग बनाकर बैठे हुए थे जिसे ही युवक घर पहुंचा उसी दौरान युवक पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और गले की और हाथ की नसें काट काटते हुए । जहर पिलाकर कर मारने की कोशिश की घायल का अभी उदयपुर के एमबी अस्पताल में उपचार चल रहा है तो वहीं दूसरी ओर इस मामले में जांच अधिकारी गोवर्धनसिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि घायल कालू सिंह की भाभी की ओर से रिपोर्ट दी गई जिस पर मामला दर्ज किया गया है घायल कालू सिंह के बयान अभी हुए नहीं हैं। पुलिस ने यह भी बताया की युवती की ओर से घायल कालू सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करवा रखा है। दोनों की ओर से दी गई रिपोर्ट में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।

यह है मामला

कालू सिंह ने तीन माह पूर्व मंदिर व कोर्ट में शादी करके अपनी पत्नी सीमा को लेकर सूरत चला गया था। 20 दिन पूर्व सीमा के भाई मोहन सिंह व लाल सिंह दोनों सूरत जाकर कालू सिंह की गैर मौजूदगी में अपनी बहन सीमा को जबरन अपने साथ लेकर मनावतो का गुडा गांव आ गए। सीमा को सूरत

से जबरन उसके भाईयो द्वारा मनातो का गुड़ा चारभुजा लाने की गुमशुदगी की रिपोर्ट कालू सिंह ने सूरत के पुना पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी। सीमा के परिजनों ने सीमा को गांव लाकर सीमा पर दबाव बनाकर दिनांक 11 अप्रैल को सीमा द्वारा प्रेमी कालू सिंह को फोन करके बताया कि मेरे परिवार के लोग सब राजी खुशी है और मैं आपके साथ रहना चाहती हूं मुझे। लेने मनावतो का गुढ़ा आ जाओ। सीमा की बात सुनकर कालू सिंह 11 अप्रैल को सीमा के गांव पहुंच गया। जहां पर पहले से ही एक राय होकर बैठे सीमा के परिजनों ने कालू सिंह पर जानलेवा हमला कर उसको घायल कर दिया। घायल कालू सिंह को ग्रामीणों की मदद से स्थानीय प्राथमिक चिकित्सालय पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे उदयपुर एमबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां पर उसका इलाज जारी है। पीडित कालू सिंह की भाभी पुनमी ने बताया कि इस घटना की जानकारी उसे 12 अप्रैल को मिली। देवर कालू सिंह के साथ हुए जानलेवा हमले की शिकायत चारभुजा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कालू सिंह के साथ घटना को हुए 24 दिन के बाद भी आरोपों अभी तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं है आरोपी मुझे व मेरे पति को डरा रहे हैं धमका रहे हैं और कई तरह के धमकियां दे रहे हैं।आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अब सवाल यह भी खड़ा होता है कि सीमा ने जिस कालू सिंह से लव मैरिज की उसके ऊपर किस के दबाव आकर मामला दर्ज करवाया।आखिर घटना के दिन ऐसा हुआ बात खूनी संघर्ष तक पहुच गई।पुलिस अनुसंधान के बाद ही पता चल पाएगा।

इनका कहना है

12 अप्रैल को कालू सिंह की भाभी पुनमी द्वारा के सीमा के परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है लड़का गंभीर हालत में है होश आने पर बयान के बाद कार्यवाही की जाएगी और लड़के के खिलाफ में भी लड़की के परिजनों ने घर में घुसकर मारपीट करने का मामला वर्ज करवाया है।

गोवर्धन सिंह, थानाधिकारी

पसुन्द में कुँए में पानी आने पर ग्रामवाशियो ने की गंगा मैया की पूजा

■ संजीवनी टुडे

राजसमन्द। जिस प्रकार से गर्मी का तापमान चरम सीमा पर है इंसान भी इस तापमान से बच नही पा रहे तो सोचो इन पेड़ पौधों का क्या होगा । एक सुरक्षित व हरे भरे भविष्य के लिए इस तापमान में इन पेड़ पौधों को बचाना बहुत ही ज्यादा आवश्यक है । जिसके लिए सरपंच अयन जोशी, पूर्व उपप्रधान सुरेश जोशी ने संज्ञान लेते हुए हरिओम उपवन, पसुन्द जहाँ पर जोशी के नेतृत्व में वर्ष 2021 में नरेगा के माध्यम से ग्रामवाशियो ने 50 हज़ार से अधिक पौधे लगाकर एक सुंदर उपवन की रचना की थी । जिसे निरंतर समस्त ग्रामवाशियो द्वारा नरेगा के अंतर्गत संवारा जा रहा है । जिसके लिए सरपंच जोशी द्वारा नवीन कुँआ खुदवाया जा रहा है जिसमे 30 फ़ीट पर ही गंगा मैया का आशीर्वाद मिलने पर समस्त ग्रामवाशियो में खुशी की लहर छा गई । सरपंच जोशी का कहना है कि इस क्षेत्र में पानी की काफी समस्या है जिसके चलते गर्मी में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है । कुवें में मीठा पानी आने से जरूरत पड़ने पर गाँव मे पानी की सप्लाई में मदद मिलेगी एवं पौधों को भी राहत मिलेगी । इसी के चलते ग्रामवाशियो ने गंगा मैया की विधिवत पूजा करते हुए सभी का मुँह मीठा करवाया । सरपंच अयन जोशी ने भगवान से प्रार्थना करते हुए क्षेत्रवासियों के समस्त कस्टो का निवारण करने की कामना की ।

तहसीलदार ने किया पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर।जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार तहसीलदार डॉ मयूर शर्मा ने सोमवार को पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जांचा।तहसीलदार ने पशु चिकित्सालय में कार्मिकों की उपस्थिति,लेब सहित अन्य उपकरणों की जांच की। तहसीलदार डॉ मयूर शर्मा ने निरीक्षण के दौरान ड्यूटी डॉक्टर एवं किए गए कार्यो के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मेडिसिन की जानकारी ली और निरीक्षण के दौरान भवन के संबंध में जानकारी ली।तहसीलदार ने मेडिसिन भंडार की जांच की।उन्होंने चिकित्सालय में पशु के मालिक से इस संबंध में फीडबेक लिया।निरीक्षण के दौरान पशु चिकत्सालय में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।अस्पताल में निराश्रित पशुओं को रखे जाने व उपचार स्थल पर साफ सफाई के निर्देश दिए। साथ ही लसाड़िया तहसीलदार ने लसाड़िया एवं कुण में पशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। और सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के हेमंत खटिक ने राजकीय पशु उप चिकित्सा केंद्र टोडा का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएसटी की जुआ /सट्टे के खिलाफ कार्यवाही, 61 हज़ार रुपये सहित उपकरण जब्त, 12 गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। डीएसटी व शम्भुपुरा थाना पुलिस ने शम्भुपुरा थाना क्षेत्र में जुआ /सट्टे के खिलाफ कार्यवाही करते हुए कुल 61 हजार रुपये सहित उपकरण जब्त कर चित्तौड़गढ़ गांधीनगर के कच्ची बस्ती निवासी 12 सटोरियों को गिरफ्तार किया है । जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में जुआ/ सट्टे के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु समस्त थानाधिकारियों व जिला विशेष टीम को विशेष दिशा- निर्देश दिये गये । इसी क्रम में जिला विशेष टीम को सूचना मिली की शम्भुपुरा थाना क्षेत्र में जालमपुरा पुलिया के पास खाटू श्याम पैलेस की दीवार के पास कुछ लोग जुआ/ सट्टा खेल रहे हैं। जिला विशेष टीम ने उक्त सूचना से शम्भुपुरा थाना पुलिस को तुरंत अवगत कराया । जिस पर थाने से मेघराज हैड कांस्टेबल जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे, जहां पर 12 जुआरी झुण्ड बनाकर घोड़ी दाने पर जुआ खेल रहे थे । पुलिस टीम को अपनी तरफ आते हुए देखकर सट्टोरियों ने मौके से भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस टीम ने घेरा देकर मुश्किल से पकड़ा । पुलिस ने जुआरियों के कब्जे से कुल 61000 रुपये सहित घोड़ी दाने जब्त कर चित्तौड़गढ़ गांधीनगर के कच्ची बस्ती निवासी 1-आशिक हुसैन पूत्र अयूब शाह, 2-छोटू शेख़ पुत्र ईस्माइल शेख, 3-प्रेम सिंह उर्फ विजय सिंह पंवार पुत्र मदन सिंह राजपूत, 4-फिरोज ख़ान उर्फ जानू पुत्र अजीज ख़ान , 5-अरशद खां पुत्र वाहिद खां, 6-खालिद हुसैन पुत्र मोहम्मद युनूस, 7-आसिफ ख़ान पुत्र सद्दीक खान, 8-सलमान शेख पुत्र निसार शेख़, 9-समीर पुत्र अब्दुल सत्तार, 10-असलम मोहम्मद पुत्र छोटु मोहम्मद, 11-अब्दुल सलाम पुत्र अब्दुल हमीद, 12-फारुद ख़ान पुत्र महमूद ख़ान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस थाना शम्भुपुरा पर जुआरियों के खिलाफ सार्वजनिक द्यूत अध्यादेश के तहत कार्यवाही कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में निम्न टीम का योगदान रहा- डीएसटी प्रभारी गोरधन सिंह पुलिस निरीक्षक, हैड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह, कांस्टेबल चन्द्र करण सिंह, मुनेंद्र सिंह, राजदीप सिंह, अजय, दुर्गा राम व दिनेश। पुलिस थाना शम्भुपुरा। हेड कांस्टेबल मेघराज, कांस्टेबल मुकेश, रामेश्वर व प्रकाश।

सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा ने कॉपरेटिव डिपार्टमेंट की शिकायत की, सीएम को 5 पेज का लिखा लेटर

■ संजीवनी टुडे

एसीबी से जांच कराने की कही बात,दिए 17 पॉइंट

उदयपुर।सलूंबर भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा ने उदयपुर के कॉपरेटिव डिपार्टमेंट में घोटाले की शिकायत की है।मामले को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश भी जारी हो गया है।मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पांच पेज की शिकायत में 17 पॉइंट दिए है जिसमें अलग-अलग विषयों को लेकर शिकायत की गई है। सलूबर विधायक की शिकायत पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने कॉपरेटिव डिपार्टमेंट के शासन सचिव को एक नोट भेजकर कहा कि विधायक की शिकायत में जो घोटाले का जिक्र किया है उसकी जांच कराई जाए।साथ ही इस पर की जाने वाली कार्रवाई से विधायक को अवगत कराते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को भी अवगत कराए। इस संबंध मे मीणा ने मुख्यमंत्री से कहा कि सहकारिता विभाग में करप्शन को लेकर जो शिकायत उनको है।उसकी जाँच विभाग से नही करा कर सीधे एसीबी से कराई जाए। मुख्यमंत्री के नाम विधायक के अलावा भाजपा देहात किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी वालचंद सुथार ने भी शिकायत भेजी। उन्होंने भी 17 प्वाइंट का जिक्र करते हुए एसीबी से जाच कराने की मांग की।वे बोले कि ये गंभीर मामले है ऐसे मे विभाग से जाँच कराना ठीक नहीं है,एसीबी से ही करानी होगी।ट्रैक्टर को लेकर भी फर्जीवाड़ा हुआ है।इस संबंध में उद?यपुर जिले के भाजपा विधायकों को भी शिकायत देते हुए अवगत कराया। विधायक ने शिकायतों में गड़बड़झाला बताते हुए उदयपुर

कॉपरेटिव बैंक की लसाड़िया, धरियावाद, सराडा, भीडर ब्रांचों में फसल बीमा की राशि ऋण वितरण राशि से अधिक आती जो सदस्यों को नहीं मिला ऋण पेटे समायोजन कर पुन ऋण वितरण,सराडा शाखा के जावद लेम्पस में फर्जी ऋण वितरण दिखाकर फर्जी ऋण माफी 2018 में करा दी दस्तावेज तथा फर्जी लगाए गए,राजसमंद जिले में करीब 70 ट्रैक्टर और करीब 100 - 100 गोबाम का निर्माण कराया गया जिसमे लाखों रुपए की कमीशनखोरी,उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भंडार में दो करोड़ से अधिक की खरीदारी बताकर स्वच्छ जल परियोजना में बिल टेंडर कीट की सप्लाई व्यापारी से मिलीभगत,चौकीदारों के फर्जी बिल,फर्जी टैक्सियों के बिल लगाकर गड़बड़िया।

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई 20 वर्ष कठोर कारावास तथा 30,000 जुर्माने की सजा

■ संजीवनी टुडे

राजसमन्द। पॉक्सो न्यायालय राजसमंद, विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने बताया कि दिनांक 02/06/ 2021 को पीड़िता के पिता ने थानाधिकारी पुलिस थाना आमेट के समक्ष उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की की उसकी नाबालिग पुत्री उसके घर से शनि महाराज मंदिर की तरफ जा रही थी कि सुनसान रास्ते में अचानक पप्पू उसकी मोटरसाइकिल लेकर आया और उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर जबरन मोटरसाइकिल पर बिठाकर कहीं लेकर चला गया और पप्पू द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री को बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा है। पप्पू के साथ ही वह चुनाई का कार्य करता था, इसलिए उससे जान पहचान होने से, उसकी पुत्री को पहचानने से बहला फुसलाकर वह अपने साथ लेकर चला गया, पप्पू आदतन अपराधी है .. इत्यादि । उक्त रिपोर्ट पर पुलिस थाना आमेट द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर, आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर पॉक्सो न्यायालय राजसमंद में अभियुक्त पप्पू के विरुद्ध आरोप पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय में राज्य सरकार व पीड़िता की

ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 17 गवाह तथा 30 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए। न्यायालय में पीड़िता ने कथन किया की घटना वाले दिन वह शनि महाराज मंदिर के पास अपनी मासी के घर से अपने घर आ रही थी, तब रास्ते में पप्पू मोटरसाइकिल लेकर आया और उसे कहा कि उसके पिताजी उसे एक गांव में बुला रहे हैं, जिस पर वह पप्पू के साथ मोटरसाइकिल पर बैठ गई। वह पप्पू को पहले से जानती थी क्योंकि यह उसके पिताजी के साथ काम करता था। उसके पिताजी उस गांव में मजदूरी के लिए जाते थे। पप्पू उसे उस गांव में ना ले जाकर अपने गांव आगरिया में अपने घर ले गया जहां पर पप्पू ने उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया । आगारिया से उसे पाली ले गया। पाली में एक कमरा किराए पर लिया, वहां पर उसे 3 महीने तक बंधक बना कर रखा तथा चाकू से डरा कर उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार करता रहा । फिर एक दिन उसने पप्पू के फोन से अपने पिताजी को फोन किया और उन्हें पाली का पता बताया तो उसके पिता और पुलिस वाले उसे लेने वहां आए तथा उसे पुलिस थाने पर लेकर आए। न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात अभियुक्त पप्पू सालवी पिता श्रवण निवासी आगरिया , पुलिस थाना आमेट जिला राजसमंद को दोषसिद्ध घोषित किया। दंड के प्रश्न पर विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने न्यायालय में निवेदन किया कि अभियुक्त पर अवयस्क पीड़ित बालिका का व्यपहरण कर उसके साथ एक से अधिक बार बलात्संग किया । अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी बलात्संग का प्रकरण पंजीबद हुआ है। अभियुक्त द्वारा कारित अपराध अत्यंत घृणित है तथा बालकों के साथ लैंगिक अपराधों की घटनाएं निरंतर बढ़ रही है। अतः अपराध की गंभीरता को देखते हुए, अभियुक्त को कठोरतम दंड से दंडित किया जाए। पॉक्सो न्यायालय द्वारा अभियुक्त पप्पू को धारा 363 भारतीय दंड संहिताः - 07 वर्ष का कठोर कारावास तथा 5,000/- जुर्माना, धारा 366 भारतीय दंड संहिताः - 07 वर्ष का कठोर कारावास तथा 5,000/- जुर्माना, धारा 5(द्य) /6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा ?20,000 जुर्माने की सजा से दंडित किया गया ।

स्काउट हमें सहयोग सद्भावना और सेवा सीखता है : प्रेम शंकर श्रीमाली

■ संजीवनी टुडे

वल्लभनगर के शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे निरीक्षण करने हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का पांचवा दिन

उदयपुर। महावीर जैन विद्यालय संस्थान कीर की चौकी(भिंडर) में चल रहे हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के सात दिवसीय संभाग स्तरीय स्काउट गाइड, कब मास्टर, फ्लॉक लीडर का बेसिक/एडवांस /प्री हिंदुस्तान वुड बैच के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में आज पांचवें दिन सोमवार को शिविर का निरीक्षण करने रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल प्रेम शंकर श्रीमाली पहुंचे, उनका प्रोटोकॉल के तहत स्वागत सम्मान करने के बाद सभी की ओर से संभागीय आयुक्त जनसंपर्क गोपाल मेहता ने स्कॉर्प पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रेम शंकर श्रीमाली ने कहा कि स्काउट हमें सहयोग सद्भावना और सेवा सीखता है। उन्होंने अपने जीवन के देश की आजादी पूर्व के बचपन से लेकर देश में हुए दो युद्ध में भागीदारी

की जानकारी दी साथ ही स्काउट क्या है ,उसकी प्रतिज्ञा और ध्वज गीत के बारे में बताते हुए कहा कि सात दिवसीय प्रशिक्षण में हमें ज्यादा से ज्यादा समय गतिविधियों को सीखने में लगाना चाहिए। सभी संभागीयों से प्रार्थना 'हमारा धर्म हो सेवा,हमारा कर्म हो सेवा ' एवं 'हिंद देश के निवासी ,सभी जन एक हैं ' स्वयं ने गाते हुए गवाया । उसके बाद सभी संभागों को एक मनोरंजनात्मक खेल खेलाया , प्रातः कालीन सत्र में मुख्य लोक शिक्षा अधिकारी वल्लभनगर अनिल पोरवाल,अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाल मेनारिया, संदर्भ व्यक्ति प्रकाश मेनारिया शिवर स्थल पहुंचे और शिविर की विभिन्न गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया। शिविर संचालक एवं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त प्रदीप मेघवाल ने सभी शिक्षा अधिकारियों का स्कॉर्प पहना कर सम्मान किया । इस अवसर पर पोरवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा विभाग की मंशा के अनुरूप राजकीय विद्यालय से जो भी अध्यापक अध्यापिकाएं स्काउट का प्रशिक्षण ले रहे हैं उनका प्रशिक्षण लेना तभी सफल होगा जब वह अपने-अपने विद्यालय में जाकर के बालक और बालिकाओं को स्काउट गतिविधियों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण देंगे। बालक की शिक्षा विभाग की धरोहर है आज के बालकों में धैर्य की भी कमी के कारण तनाव ज्यादा है हम स्काउट व खेल के माध्यम से उन्हें स्वावलंबन,आत्मनिर्भरता, विषम परिस्थितियों में धैर्य व अनुशासन सिखा सकते है। जब भी विद्यालय का निरीक्षण किया जाए और वहां स्कॉउट की गतिविधियां संचालित होती हुई नजर आएगी तो अध्यापको का सात दिवसीय प्रशिक्षण लेना सफल होगा। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनिल पोरवाल ने शिक्षा विभाग के अध्यापक मदन लाल वर्मा एवं शारीरिक शिक्षक गोपाल लाल मेहता को हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान राज्य द्वारा संभाग जिला सचिव एवं संभागीय जनसंपर्क आयुक्त बनाए जाने पर स्कार्प पहना कर अभिनंदन किया गया। आज संभाग सचिव मदन लाल वर्मा ने स्कॉउटर गाइडर के रूप में राजकीय विद्यालय से प्रशिक्षण लेने आए शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान विद्यालयों में संचालित किए जाने वाले कोर्स एवं उनमें भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं की निर्धारित आयु एवं उनके पद नाम तथा राज्यपाल पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार तथा प्रशिक्षण में निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ ही हिंदुस्तान स्काउट गाइड की यूनिफॉर्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने स्काउट गाइड गतिविधियों के संचालन के लिए विद्यालय में रखे जाने वाले रिकॉर्ड संधारण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सभी को विद्यालय में स्काउट समिति का गठन करना है जो भी अध्यापक अध्यापिका बेसिक प्रशिक्षण प्राप्त कर लेता है वह विद्यालय में अपने बालकों को कोमल पद का प्रशिक्षण करवा कर प्रमाण पत्र जारी करने की योग्यता रखता है उन्होंने सभी से कहा कि वह अपनी एक मोहर बनवा ले ताकि वह प्रमाण पत्र के जारी करने के दौरान उपयोग में ली जा सके।शिविर में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त प्रदीप मेघवाल ,राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड चित्रकला शुक्ला, जिला ऑर्गेनाइजर शांता वैष्णव ,जिला संयुक्त सचिव तुलसी चडात ,जिला ट्रेनर शिवराज प्रजापत एवं कमल यादव ने अपने अपने सत्र लिये।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

मां ही मन्दिर है, मां ही तीर्थ है

अन्तर्राष्ट्रीय मातृत्व दिवस सम्पूर्ण मातृ-शक्ति को समर्पित एक महत्वपूर्ण दिवस है, जिसका ममत्व एवं त्याग घर ही नहीं, सबके घट को उजालों से भर देता है। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। संतान के लालन-पालन के लिए हर दुख का सामना बिना किसी शिकायत के करने वाली मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।

हर एक के जीवन में माँ एक अनमोल इंसान के रूप में होती है जिसके बारे में शब्दों से बयाँ नहीं किया जा सकता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि समूची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है।

संसार महान्व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है, उसके गुणगान करता है, इसके लिये मदर्स डे, मातृ दिवस या माताओं का दिन चाहे जिस नाम से पुकारें दिन निर्धारित है। अमेरिका में मदर्स डे की शुरुआत 20वीं शताब्दी के आरंभ के दौर में हुई। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। भारतीय संस्कृति में मां के प्रति लोगों में अगाध श्रद्धा रही हैं, लेकिन आज आधुनिक दौर में जिस तरह से मदर्स डे मनाया जा रहा है, उसका इतिहास भारत में बहुत पुराना नहीं है। इसके बावजूद दो-तीन दशक से भी कम समय में भारत में मदर्स डे काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

मातृ दिवस-समाज में माताओं के प्रभाव व सम्मान का उत्सव है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। मातृत्व की छाया में मां न केवल अपने बच्चों को सहेजती है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उसका सहारा बन जाती है। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है। मातृ दिवस सभी माताओं का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। एक बच्चे की परवरिश करने में माताओं द्वारा सहन की जानें वालीं कठिनाइयों के लिये आभार व्यक्त करने के लिये यह दिन मनाया जाता है। इस दिन लोग अपनी मां को ग्रीटिंग कार्ड और उपहार देते हैं। कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग ने मातृत्व को परिभाषित करते हुए कहा है- सभी प्रकार के प्रेम का आदि उद्गम स्थल मातृत्व है और प्रेम के सभी रूप इसी मातृत्व में समाहित हो जाते हैं। प्रेम एक मधुर, गहन, अपूर्व अनुभूति है, पर शिशु के प्रति मां का प्रेम एक स्वर्गीय अनुभूति है।

'मां!' यह वो अलौकिक शब्द है, जिसके स्मरण मात्र से ही रोम-रोम पुलकित हो उठता है, हृदय में भावनाओं का अनहद ज्वार स्वतः उमड़ पड़ता है और मनोःमस्तिष्क स्मृतियों के अथाह समुद्र में डूब जाता है। 'मां' वो अमोघ मंत्र है, जिसके उच्चारण मात्र से ही हर पीड़ा का नाश हो जाता है। 'मां' की ममता और उसके आंचल की महिमा को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है, उसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है, जिसने आपको और आपके परिवार को आदर्श संस्कार दिए। उनके दिए गए संस्कार ही मेरी दृष्टि में आपकी मूल थाती है। जो हर मां की मूल पहचान होती है। हर संतान अपनी मां से ही संस्कार पाता है। लेकिन मेरी दृष्टि में संस्कार के साथ-साथ शक्ति भी मां ही देती है। इसलिए हमारे देश में मां को शक्ति का रूप माना गया है और वेदों में मां को सर्वप्रथम पूजनीय कहा गया है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

भारत में कृषि क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ रहे हैं

विचार बिन्दु

वैश्विक स्तर पर भारतीय कृषि उत्पादों की मांग बढ़ाकर, देश में उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इससे भारतीय किसानों को ही लाभ होगा। सरकार की नीतियां इस मामले में बहुत अच्छी भूमिका निभा रही हैं। देश से निर्यात होने वाली वस्तुओं की कीमत भी अच्छी मिलती है जिसका फायदा भी अंततः सीधे ही किसानों को होता है। इसलिए देश से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रहलाद सबनानी

पिछले एक वर्ष से अधिक समय के दौरान देश में कोरोना महामारी के चलते आर्थिक क्षेत्र के लगभग समस्त खंड विपरीत रूप से प्रभावित हुए हैं। सेवा (पर्यटन, होटल, यातायात, आदि) एवं उद्योग क्षेत्र तो विशेष रूप से अधिक प्रभावित हुए हैं। परंतु, केंद्र सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को विकसित करने के उद्देश्य से मिशन मोड में लगातार किए जा रहे प्रयासों के कारण कृषि क्षेत्र कोरोना काल के बीच भी विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हुआ है। कृषि क्षेत्र में न केवल उत्पादन में लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है बल्कि कृषि उत्पादों का निर्यात भी लगातार प्रभावशाली तरीके से बढ़ता जा रहा है। हाल ही में जारी किए गए, कृषि क्षेत्र से हो रहे निर्यात से सम्बंधित आंकड़ों के अनुसार, अप्रेल 2020 से फ़रवरी 2021 के दौरान कृषि उत्पादों का निर्यात 2.74 लाख करोड़ रुपए का रहा है जो अप्रेल 2019 से फरवरी 2020 के दौरान 2.31 लाख करोड़ रुपए का रहा था। इस प्रकार कृषि उत्पादों के निर्यात में वर्ष 2020-21 (अप्रेल-फरवरी) के बीच 18.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। विशेष रूप से गेहूं, चावल, अन्य अनाज, सोयामील, मसाले, चीनी, कपास, ताजी सब्जियां, संसाधित सब्जियां एवं अलकोहलिक पेय पदार्थ के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि के क्षेत्र में भारतीय किसान ने अपनी मेहनत के बल पर एवं सरकारी नीतियों को लागू करते हुए, कृषि उत्पादों की पैदावार को मांग की तुलना में आपूर्ति अधिक की श्रेणी में ला खड़ा किया है। अब भारतीय कृषि क्षेत्र में उत्पादों की पैदावार में आधिक्य रहने लगा है और देश के किसान लगातार साल दर साल बहुत अच्छा उत्पादन करते दिख रहे हैं। विशेष रूप से सरकारी नीतियां एवं उत्पादकता में हो रही वृद्धि भी इस बढ़ती पैदावार में अहम भूमिका अदा कर रही है। भारत में कोरोना महामारी का कृषि क्षेत्र पर लगभग नगण्य प्रभाव पड़ा है। हमारे उत्तर पूर्वी राज्यों ने बागवानी की पैदावार में गुणवत्ता की दृष्टि से बहुत विकास किया है। इन राज्यों से बागवानी से हुई पैदावार का बहुत निर्यात हो रहा है, विशेष रूप से दुबई आदि देशों को। विशेष रूप से फल एवं सब्जियां बहुत जल्दी खराब हो जाती हैं, अतः इनके भंडारण के लिए बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है ताकि इन पदार्थों का उचित भंडारण किया जा सके। आगे आने वाले 5 से 10 वर्षों में भारत कृषि उत्पादों के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक मुख्य निर्यातक देश बन सकता है। अब तो देश में कांटैक्ट फार्मिंग भी होने लगी है। इससे भी कृषि उत्पादन में बहुत फर्क पड़ने वाला है। भौगोलिक संकेत (जीओग्राफी इंडिकेशन - क्रक्टैग) योजना का भी कृषि उत्पादन बढ़ाने में बहुत योगदान रहा है। इस योजना के अंतर्गत एक विशेष क्षेत्र में, उसके मौसम को देखते हुए, एक विशेष उत्पाद की पैदावार को बढ़ावा दिया जाता है। जिसके कारण उस उत्पाद की उत्पादकता बहुत बढ़ जाती है। बासमती चावल इसी प्रकार का उत्पाद है। विदेशों से आने वाले सैलानी भी भारत के विशेष उत्पादों को खरीदना चाहते हैं। क्रक्टैग इसमें मुख्य भूमिका निभाता है। इससे भारतीय उत्पादों में अन्य देशों का विश्वास बढ़ता है और देश के लिए निर्यात बढ़ाने में भी इसकी भूमिका बढ़ जाती हैं।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं कृषि संस्थानों ने कृषि के क्षेत्र को कई तरह के प्रोत्साहन उपलब्ध कराए हैं। इसके लिए विशेष रूप से कई नई योजनाएं भी लागू की गई हैं। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता में बहुत सुधार किया गया है, जिसके चलते भी विदेशों में भारतीय कृषि उत्पादों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कोरोना महामारी के दौरान कृषि मज़दूरों का भी विशेष ध्यान रखा गया, जिसके चलते कृषि पैदावार में वृद्धि हो पाई है। यह पता करने के लिए कि किन किन देशों में किस किस कृषि उत्पाद की कमी है, विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों की भी मदद ली गई है, ताकि इन देशों को कृषि उत्पाद भारत से उपलब्ध कराये जा सके। कृषि उत्पादों की मार्केटिंग एवं निर्यात के लिए सम्पर्क तंत्र को मजबूती प्रदान की गई। कृषि उत्पाद के विदेशी खरीदारों एवं भारत के किसानों की आपस में मीटिंग कराई गई। इसके लिए एक पोर्टल भी बनाया गया है ताकि क्रेता एवं विक्रेता सीधे ही एक दूसरे से माल खरीद एवं बेच सकें। इस संदर्भ में किसानों ने भी कम मेहनत नहीं की है। आत्मनिर्भर भारत, वोकल फोर लोकल एंड लोकल से ग्लोबल, जैसे नारों ने भी देश से कृषि उत्पादों के निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि में अपनी अहम भूमिका अदा की है। अब तो दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं अमेरिका को भी कृषि उत्पादों का निर्यात किया जाने लगा है। अफ्रीकी देशों को भी कृषि उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि हो रही है। उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों का भी निर्यात अब तेजी से बढ़ रहा है जैसे आम, अंगूर, आदि पदार्थ यूरोपीयन देशों एवं अमेरिका को निर्यात किए जा रहे हैं। अंगूर का निर्यात हाल ही में शुरू किया गया है। जापान, दक्षिणी कोरीया जैसे देशों में भी अब भारतीय कृषि उत्पादों के प्रति रुझान बढ़ रहा है।

भारत, भौगोलिक दृष्टि से एक बड़ा देश है एवं भारत में अलग अलग क्षेत्रों में अलग अलग मौसमी परस्थितियां हैं जिसके कारण बहुत अलग अलग किस्म के कृषि उत्पाद भरपूर मात्रा में पैदा किये जा सकते हैं। अपने देश की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए शेष आधिक्य का देश से निर्यात आसानी से किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय मानदंडो के अनुसार ही अब देश में कृषि उत्पादों की पैदावार ली जा रही है। बासमती चावल की मांग इसी कारण से विदेशों में लगातार बढ़ती जा रही है और इसका निर्यात भी बढ़ता जा रहा है। भारत में उत्पादित अनाज की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। समुद्रीय उत्पादों की मांग भी बढ़ती जा रही है। देश में उत्पादकता बढ़ रही है, जिसके कारण उत्पादन बढ़ रहा है। 16 राज्यों ने कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई हैं। आंध्रप्रदेश ने केला का निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी आम, अन्य फलों एवं सब्जियों के निर्यात को बढ़ाने के लिये कई योजनाएं बनाई हैं। कृषि निर्यात नीतियों को राज्य स्तर पर बनाने का भी फायदा हुआ है। कृषि पदार्थों की आपूर्ति बनाए रखना भी केंद्र सरकार की बड़ी उपलब्धि माना जाना चाहिए। देश के किसी भी कोने में सामान्यतः कृषि उत्पादों की उपलब्धता में कमी नहीं आने दी गई। केंद्र सरकार का आपूर्ति प्रबंधन बहुत ही शानदार रहा है। अन्यथा की स्थिति में मुद्रा स्फीति की दर बहुत तेज हो सकती थी। कई बार तो कृषि उत्पाद को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाई गई और हवाई जहाज तक से भी कृषि उत्पादों की ढुलाई की गई। दूध, फल एवं सब्जियों की उपलब्धता लगातार बनाए रखते हुए देश से कृषि उत्पादों का निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के इस दौर में कई देशों में कृषि उत्पादों के उत्पादन को लेकर कुछ समस्याएं खड़ी हुई हैं, ऐसे समय में भारत ने इन देशों को खाद्य पदार्थों को उपलब्ध कराकर इन देशों की समस्यायों को कम करने का सफल प्रयास किया है। अब तो ये सभी देश खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के लिए भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। भारत का आपूर्ति प्रबंधन न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहनीय रहा है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अब आपस में मिलकर कार्य कर रही हैं। उत्तर पूर्वी राज्य भी इस मामले में बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। देश में कांटैक्ट फ़ार्मिंग को और भी गति देनी होगी, इसका बहुत फायदा मिल सकता है। गुणवत्ता में सुधार करने की अभी भी गुंजाइश है।

विश्वास करिये, अंक ज्योतिष में छिपा है आपके भाग्योदय का राज

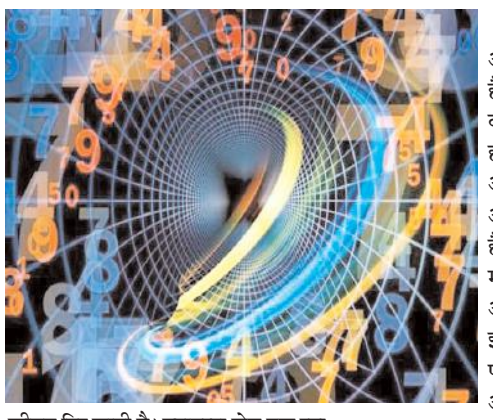

न्यूमरोलॉजी में पूछेंगे क्या यह प्राकृतिक फ्रीक्वेंसी से परे हटा हुआ है, शायद इसलिए उसको पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। तो क्या यहां न्यूमरोलॉजी मदद कर सकती है ? अब आपको न्यूमरोलॉजी का तर्क पकड़ में आ गया होगा। तो अंक हमें सहायता करते हैं प्राकृतिक फ्रीक्वेंसी सेट करने के लिए! रेडियो के ऊपर अलग-अलग स्टेशन, अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर होते हैं। जब सही ट्यूनिंग नहीं होती तो शोर होता है। जब हम इसको सही फ्रीक्वेंसी से मैच करवा देते हैं तो क्या होता है? स्पष्ट संगीत या आवाज। कोई शोर नहीं। ठीक ऐसे ही जीवन में काम करती है न्यूमरोलॉजी।

प्रश्न है- मेरी फ्रीक्वेंसी क्या हैं? मेरी नेचुरल स्टेट क्या है, मेरे नेचुरल नंबर क्या हैं, मैं किससे पहचाना जाता हूं? हिन्दू भाषा में जो अक्षरों को नम्बर दिए हुए हैं उनका प्रयोग करते हुए अपने नाम को सशक्त किया जा सकता है। अंकों और अक्षरों का संतुलन बैठा तो नाम सशक्त हो जाता है। एक सेब है उसमें दाग लगा हुआ है तो क्या उसकी कीमत पूरी मिलेगी? उसको दाग कहने की बजाय असंतुलित कहेंगे। तो सेब की कीमत कब मिलती है? जब वह बिल्कुल सही है खराब नहीं हुआ है। दुनिया में कुछ भी जब खराब हो जाता है तो उसकी कीमत गिर जाती है। उदाहरण सेब पूछ रहा है मेरे पूरे पैसे क्यों नहीं मिल रहे। व्यक्ति क्या कहता है ? जब मैं मेहनत कर रहा हूं तो मुझे पूरे पैसे क्यों नहीं मिल रहे। न्यूमरोलॉजी में पूछेंगे क्या यह प्राकृतिक फ्रीक्वेंसी से परे हटा हुआ है, शायद इसलिए उसको पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। तो क्या यहां न्यूमरोलॉजी मदद कर सकती है ? अब आपको न्यूमरोलॉजी का तर्क पकड़ में आ गया होगा! प्राकृतिक अवस्था क्या है ? उसको कैसे जानें ? फिर नाम में उसको कैसे फिट करें ? एक और पहलू है आपकी पहचान का- आपका हस्ताक्षर (सिग्नेचर)।

आपकी पहचान और कहां-कहां से होती है ? आप जो भी करते हैं वह कर्म आपकी पहचान हो सकता है। चेहरा आपकी पहचान है, अंगूठे की छाप पहचान है और आज के युग में मोबाइल नंबर भी आपकी पहचान है। ईमेल आईडी भी आपकी पहचान है। लोग सिर्फ आपके मोबाइल नंबर से आपको पहचनते हैं। लोग बिना आपकी शक्ल देखे आपसे व्यापार कर रहे हैं।आपकी पहचान क्या है ? आपकी परफार्मेंस ही आपकी पहचान है। आप कहां-कहां से परफॉर्म करते हैं, कहां-कहां से आप अपने आप को प्रस्तुत करते हैं संसार में ? बैंक एकाउंट नंबर मर्जी से लिया जा सकता है। नाम के आधार पर बैंक कौन-सा चुनना है, आपके पास विकल्प हैं। जब आप अपने लिए सही नंबरों को पहचान जाते हैं तब आप अपना नाम, अपनी कंपनी का नाम, अपनी ई-मेल आईडी को संतुलित करके अच्छी लाभकारी संभावनाओं का दायरा बढ़ा देते हैं।

07 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1976 एलेक्ज़ेंडर ग्राहम बेल को अपने आविष्कार का पेटेंट मिला जिसे उन्होंने ''टेलीफ़ोन'' (दूरभाष) का नाम दिया।
1989 भारतीय मूल के लेखक सलमान रश्दी के ख़िलाफ़ ईरानी फ़तवे के बाद ब्रिटेन और ईरान के बीच राजनयिक सम्पर्क टूट गया।
1999 स्काटलैंड संसदीय चुनावों में लेबर पार्टी को सफलता।
2000 ब्लादिमीर पुतिन ने रूस के नये राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला।
2001 पूर्वोत्तर ईरान में बाढ़।
2002 गुजरात की हिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने गम्भीर चिंता जताई।
2004 नेपाल के प्रधानमंत्री सूर्य बहादुर थापा ने इस्तीफ़ा दिया।
2008 रूस के पूर्व राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने देश के 10वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता से लैस मिसाइल हत्फ़-8 का परीक्षण किया।

जन्मे व्यक्ति

1912 पन्नालाल पटेल- गुजराती भाषा के जानेमाने साहित्यकार थे।
1861 रबीन्द्रनाथ ठाकुर - नोबेल पुरस्कार प्राप्त बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार।
1880 पांडुरंग वामन काणे - महान्भारतीय संस्कृतज्ञ और विद्वान्पंडित।
1893 भारतीय गुरु परमहंस योगानंद
1889 एन. एस. हार्डिकर - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा 'हिन्दुस्तानी न सेवादल' के संस्थापक।

मां की आकृति

विचार बिन्दु

राखी सरोज

एक ही स्त्री पूरा जीवन अपना एक बच्चे के लगा दे तो वह केवल उसका फर्ज है और एक पुरुष अगर अपने बच्चे के लिए एक छोटा सा कार्य कर दे(

किसी ने खूब कहा था माँ वो होती है जो बाप के ना होने पर मां और बाप दोनों का किरदार निभा लेती है। एक बच्चा बिना बाप के रह सकता है किंतु बिना मां के नहीं क्योंकि जब मां नहीं होती। तो पिता, पिता होने का गिरदार भी नहीं निभा पाता है। मां होना हम सभी के जीवन की एक महत्त्वपूर्ण जरूरत के साथ ही साथ ईश्वर का दिया, आशीर्वाद भी है। जिसे पाकर हम सभी अपना जीवन पाते हैं, बिना मां के ना हमारा जीवन है ना हमारी सांसे। मां होने के कारण ही हम सभी इस दुनिया में आप आते हैं। मां की कोख ही हमें 9 महीने अपने अंदर रख जीवन देती हैं। किंतु इसके बावजूद भी हम उस मां पर उंगली उठाने से बाज नहीं आते हैं। अक्सर देखा है स्त्रियों को मां बनने की सलाह समाज और समाज के ठेकेदारों द्वारो दी जाती रहती है। एक मां अपने बच्चे को दूध कैसे पिलाएंगी और कब पिलाएंगी, यह भी हमारे समाज के ठेकेदार बताना चाहते हैं। जैसे मानो उनकी ही छाती से एक मां का बच्चा दूध पीने वाला है। मां होना कितना मुश्किल और कितना कठिन कार्य है यह कभी हम समझ नहीं सकते जब तक हम खुद उस स्थान पर नहीं आ जाते, फिर भी हम उस मां पर उंगली उठाने से बाज नहीं आते। एक मां जो पूरा जीवन अपने बच्चे के लिए देती है। शरीर के साथ ही साथ जीवन के हर सपने का त्याग स्त्री मां बनने के लिए करती है क्या पुरुष कभी करता है। अक्सर महिलाएं ही होती है जो अपने बच्चे के लिए अपना भविष्य और अपनी आज तक की मेहनत को छोड़कर घर बैठकर अपना समय और अपना संपूर्ण जीवन बच्चे को देती है। इसके बावजूद भी केवल यह उसका फर्ज सब समझा जाता है। जैसे मां होना तो उसके लिए एक ज़िम्मेदारी है, जिसे निभाकर हर महिला कोई बड़ा कार्य नहीं करती हैं। क्या हुआ अगर की स्त्री अपने बच्चे के लिए भूखी रह जाती हैं। एक स्त्री की नीद हो या जरूरत सब एक किनारे हो जाते है, बस एक बच्चे को पालना ही माहिला के लिए ज़रूरी हो जाता हैं। पुरुषों का कार्य बाहर जाकर काम करना है और घर में पैसा देना। किंतु महिला का कहां गए पुरुष द्वारा लाइव पैसे नहीं अपने बच्चे और अपने पूरे परिवार की जरूरत को पूरा करना है।

पुरुषों से कभी नौकरी छोड़ने की अपेक्षा नहीं की जाती बच्चा होने पर, बच्चे को पालने के लिए। किन्तु यदि महिला काम पर जाती है बच्चा होने के बाद, तब भी पूरी ज़िम्मेदारी बच्चे की केवल महिला की ही समझी जाती है। यदि कहीं समाज के बनाए नियमों में चूक हो जाती हैं, एक मां से। तो उस मां को हमारे समाज के ठेकेदार एक बूरी मां होने का तमका देने से पीछे नहीं हटते। पुरूष हमारे समाज में कुछ भी करें पुरुष ही कहलाते हैं और उसमें कोई गलतियां नहीं होती, क्योंकि उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती। यदि कोई पुरुष अपने बच्चों का ध्यान रखता है, उनके वह कार्य करता है जो आमतौर पर हम मां के कार्य समझते हैं। तो उसे एक आदर्श पिता होने का तमका मिल जाता है।

एक ही स्त्री पूरा जीवन अपना एक बच्चे के लगा दे तो वह केवल उसका फर्ज है और एक पुरुष अगर अपने बच्चे के लिए एक छोटा सा कार्य कर दे तो वह महान पिता है। समाज की बनाई परिभाषाएं एक ही कार्य के लिए महिला और पुरुष के लिए अलग-अलग शब्दों का प्रयोग दिखाता है कि कितना भेद है, हमारी सोच में। एक महिला जो अपनी जान पर खेलकर इस दुनिया में एक जीवन को लाती है उसका केवल यह फर्ज समझा जाता है और यदि वह इस में चुक जाए किसी ओर की कोख से अपना बच्चा ले आए, तब से एक मां होने का दर्ज़ा ही नहीं मिलता। हमारे समाज की कैसी सोच है, जहां पुरुष के लिए आज़ादी है, किंतु एक स्त्री के लिए केवल गुलामी है। कब हम अपनी ये सोच बदलेंगे, अब यह नहीं सोचती हूं। किंतु यह जरूर सोचती हूं कि अगर स्त्री ने अपना मन बदल लिया ओर आने वाले जीवन को जन्म देना ही छोड़ दिया। हमारी इस दकियानूसी सोच के चलते हैं। तब किसी हम याद दिलाएंगे की मां होना क्या होता है, इसके कार्य में हम कमी निकाल, समाज के ठेकेदार होने का फर्ज निभाएंगे। मां बनना कोई डिगरी नहीं जिसे हम किसी से ले या दे सकते है। हर महिला को ये प्रकृति का आशीर्वाद है जिसमें हमे अपने विचारों की नकारात्मक सोच को महत्व देना अवश्यक नहीं है।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

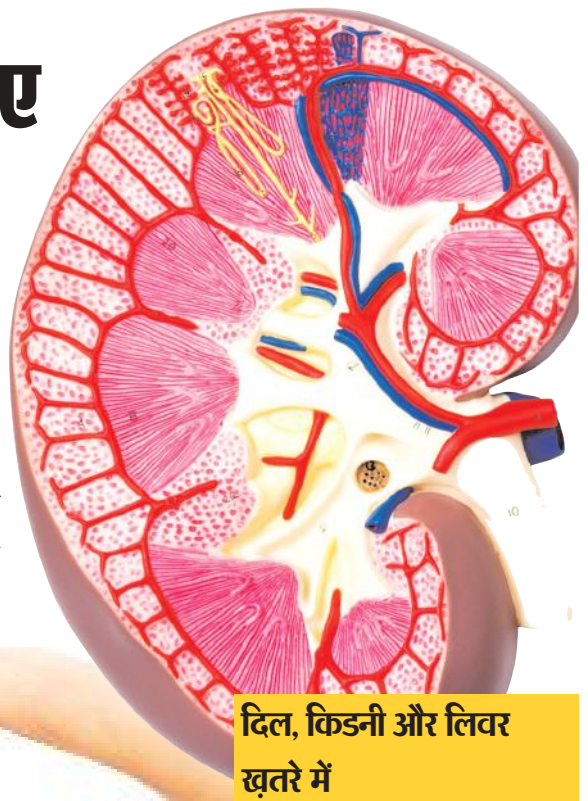

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

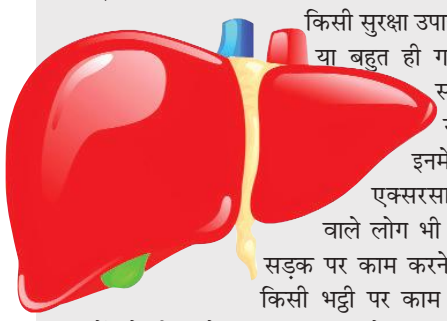

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

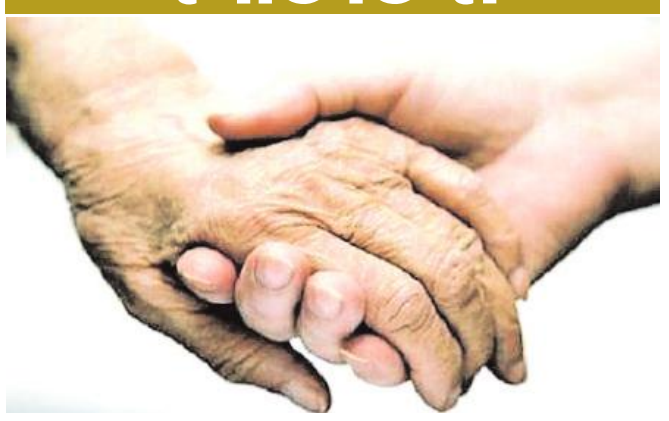

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

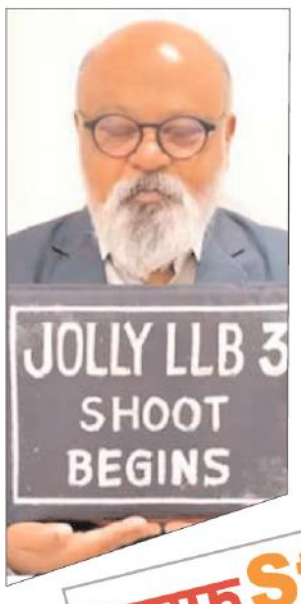

विवादों में घिरी जॉली एलएलबी-3, अक्षय व अरशद वारसी के खिलाफ शिकायत

मुंबई। अजमेर के डीआरएम ऑफिस में चल रही जॉली एलएलबी-3 की शूटिंग को लेकर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रभान राठौड़ सेशन कोर्ट में अर्जी लगाई है। इसमें जज और वकीलों की छवि खराब करने, नियम विरुद्ध फिल्म शूट करने और आपत्तिजनक डायलॉग्स को लेकर शिकायत दी गई है। सिविल न्यायाधीश और न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर अजमेर शहर में मंगलवार को इस पर सुनवाई होगी। जिला क राजीव धनखड़, अजमेर जिला कलेक्टर भारती दीक्षित और सिविल लाइंस एसएचओ छोटू लाल के खिलाफ शिकायत दी है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान कई वकीलों को बुलाया गया था। लेकिन, शूटिंग के दौरान अक्षय के बाउंसर्स ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया।

लाइफ Style

शिल्पा

गोल्डन साड़ी में दिखा दिलकश अंदाज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को भारतीय पोशाक साड़ी पहनना कितना पसंद है ये बात तो किसी से छिपी नहीं है। शिल्पा शेट्टी अक्सर ही इंडियन वियर पहने नजर आती हैं। हाल ही में शिल्पा शेट्टी ने फैशन डिजाइनर आशा के कलेक्शन 'एताशा'को रैंप पर उतारा। इस फैशन शो में रैंप वॉक से पहले एक्ट्रेस ने बताया कि वह हमेशा ही किसी भी शो से पहले प्राणायाम करने के लिए समय निकालती हैं। शिल्पा शेट्टी ने इवेंट में गोल्डन साड़ी पहनी थी। उन्होंने 'तू झूम' गाने पर रैंप पर जलवा बिखेरा। शिल्पा शेट्टी ने गोल्डन कलर की साड़ी को मैचिंग गोल्डन हॉल्टर नेक ब्लाउज के साथ पेयर किया था। उन्होंने मैचिंग बैंगल्स, ओपन हेयर्स और डॉर्क मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया था। शिल्पा शेट्टी इस लुक में बेहद गॉर्जियस लग रही थीं।

वॉक के बाद शिल्पा ने कहा, 'मैंने आशा जैन का 'एताशा'कलेक्शन पहना है। मैंने जो पहना है, वह मुझे बेहद पसंद है। यह बहुत आरामदायक है। मुझे साड़ी पहनना बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि जब आप बाहर जा रहे हों और अलग दिखने के साथ-साथ आपको आरामदायक भी चुनना हो तो इस तरह का आउटफिट चुनना सही है।'

शिल्पा शेट्टी ने इवेंट में गोल्डन साड़ी पहनी थी। उन्होंने 'तू झूम' गाने पर रैंप पर जलवा बिखेरा। शिल्पा शेट्टी ने गोल्डन कलर की साड़ी को मैचिंग गोल्डन हॉल्टर नेक ब्लाउज के साथ पेयर किया था। उन्होंने मैचिंग बैंगल्स, ओपन हेयर्स और डॉर्क मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया था।

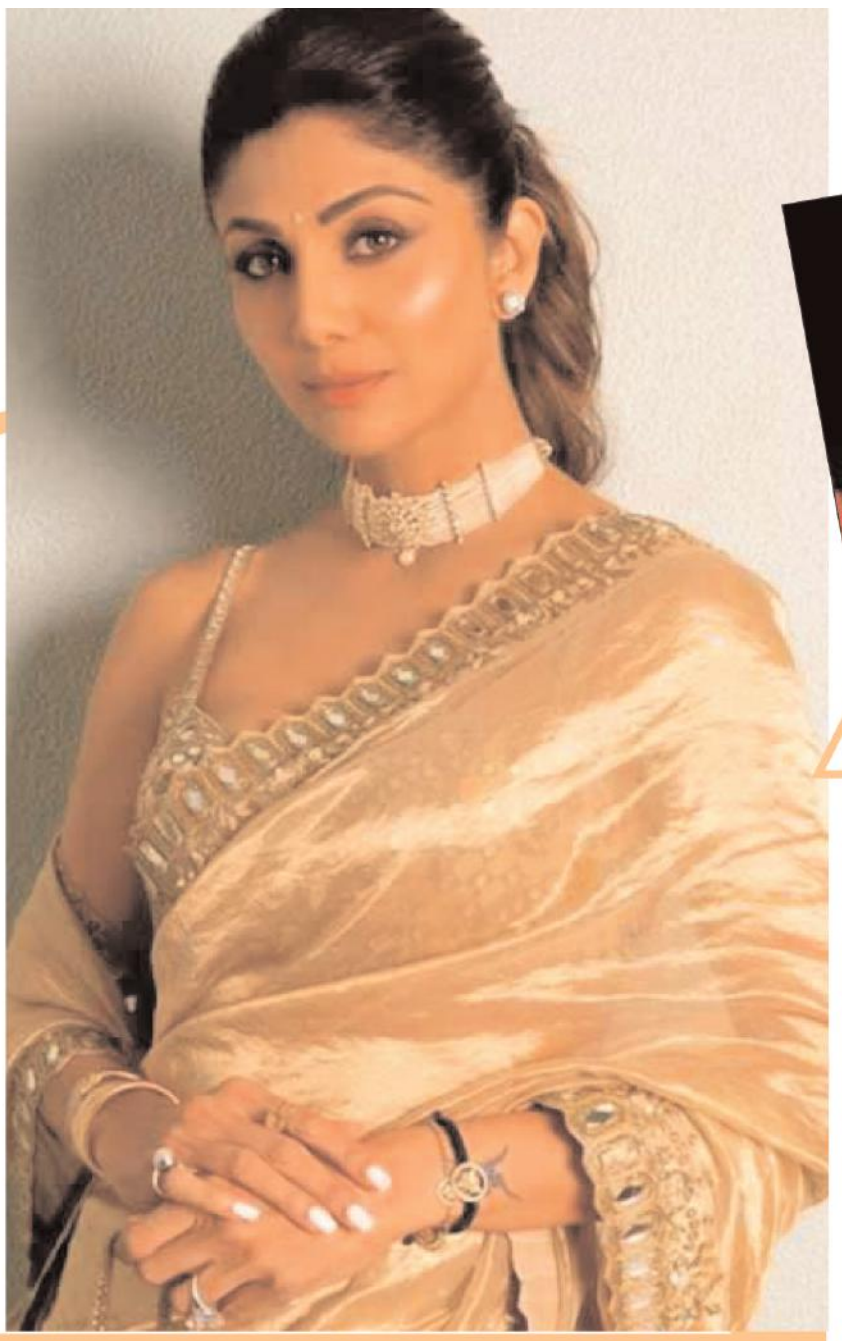

हॉलीवुड मसाला

अद्भुत एक्टर थे बर्नार्ड हिल

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड के बड़े एक्टर्स में गिने जाने वाले बर्नार्ड हिल का 79 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने 1997 में आई 'टाइटैनिक' और 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' ट्रायोलॉजी में अहम भूमिकाएं निभाई थीं। इस बात की जानकारी मशहूर स्कॉटिश सिंगर और म्यूजिशियन बार्बरा डिक्सन ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करके दी है। बारबरा डिक्सन ने लिखा है, 'बहुत दुख की बात है कि मुझे बर्नार्ड हिल के निधन के बारे में लिखना पड़ रहा है।

एक बार फिर अंतरिक्ष की सैर करेंगे रयान गोसलिंग

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड अभिनेता रयान गोसलिंग अपनी फिल्म 'द फॉल गाई' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में एमिली ब्लंट ने भी मुख्य भूमिका निभाई हैं। यह एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। कुछ ही दिन पहले बर्लिन में फिल्म के प्रीमियर का आयोजन किया गया था। वहीं, अब दर्शक भी इस फिल्म का मजा ले रहे हैं। फिल्म का निर्देशन डेविड लीच ने किया है। 'द फॉल गाई' में दर्शकों को एक से बढ़कर एक स्टंट देखने को मिलेंगे। इस फिल्म के अलावा रयान अपनी अगली फिल्मों से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। रयान गोसलिंग के फैंस के लिए बड़ी खबर यह है कि एक बार फिर से उन्हें अंतरिक्ष यात्री के किरदार में देखने का मौका मिलने वाला है। वह आने वाले दिनों में फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह रायलैंड ग्रेस की भूमिका निभाने जा रहे हैं।

कंगना ने अमिताभ से की तुलना, उड़ा मजाक

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोस प्रत्याशी कंगना इन दिनों जमकर कैंपेन कर रही हैं। एक भाषण के दौरान कंगना ने अपनी तुलना सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से कर दी। कंगना ने कुछ ऐसा कर दिया कि वह ट्विटर पर ट्रेंड होने लगी हैं और यूजर्स भी उनकी खिंचाई कर रहे हैं। कंगना का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में अगर अमिताभ के बाद किसी को सबसे अधिक प्यार और सम्मान मिलता है, तो वह उन्हें मिलता है। वीडियो में कंगना कह रही हैं, 'सारा देश परेशान है, कि वो कंगना, चाहे राजस्थान चली जाऊं, चाहे मैं पश्चिम बंगाल चली जाऊं, चाहे मैं दिल्ली चली जाऊं, चाहे मैं मणिपुर चली जाऊं... ऐसा लगता है कि मानो इतना प्यार और इतना सम्मान...मैं दावे से कह सकती हूं कि इतना प्यार और इतना सम्मान अमिताभ जी के बाद आज किसी को इंडस्ट्री में मिलता है, तो वो मुझे मिलता है।'

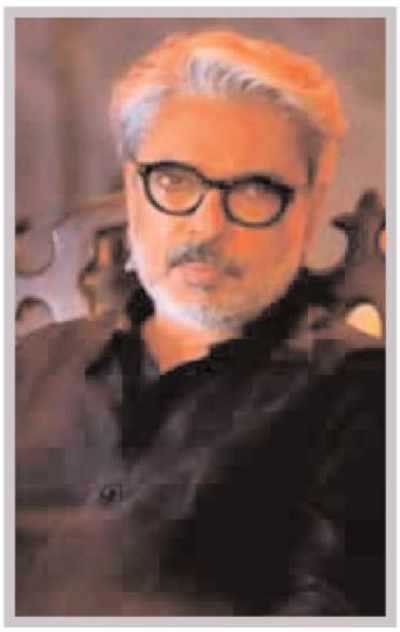

पिता की आखिरी इच्छा पूरा नहीं कर पाए

नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली एक ऐसे फिल्म मेकर हैं, जो शानदार फिल्में बनाने और कहानियों को खूबसूरती से बयां करने के लिए जाने जाते हैं। नेटफ्लिक्स पर उनका पहला वेब शो 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' इस बात को साबित कर रहा है। 'हीरामंडी' लोगों को पसंद आ रही है। इसमें भंसाली ने अपनी बनाई जादुई दुनिया दिखाई है। शो में बड़े और खूबसूरत सेट, शानदार सीन्स, बेहतरीन डायलॉग्स, कमाल का कैमरा वर्क और शानदार म्यूजिक है। हालांकि भंसाली अपनी फिल्मों में भावनाओं को बखूबी दिखाने में माहिर हैं, लेकिन बताया जाता है कि उनके पिता नवीन भंसाली कभी सफलता नहीं पा सके थे। अब अपने नए इंटरव्यू में भंसाली ने अपने पिता की आखिरी इच्छा को पूरा न कर सकने का इमोशनल किस्सा सुनाया है।

एक बार फिर अंतरिक्ष की सैर करेंगे रयान गोसलिंग

लॉस एंजिलस। हॉलीवुड अभिनेता रयान गोसलिंग अपनी फिल्म 'द फॉल गाई' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में एमिली ब्लंट ने भी मुख्य भूमिका निभाई हैं। यह एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। कुछ ही दिन पहले बर्लिन में फिल्म के प्रीमियर का आयोजन किया गया था। वहीं, अब दर्शक भी इस फिल्म का मजा ले रहे हैं। फिल्म का निर्देशन डेविड लीच ने किया है। 'द फॉल गाई' में दर्शकों को एक से बढ़कर एक स्टंट देखने को मिलेंगे। इस फिल्म के अलावा रयान अपनी अगली फिल्मों से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। रयान गोसलिंग के फैंस के लिए बड़ी खबर यह है कि एक बार फिर से उन्हें अंतरिक्ष यात्री के किरदार में देखने का मौका मिलने वाला है। वह आने वाले दिनों में फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह रायलैंड ग्रेस की भूमिका निभाने जा रहे हैं।

टीवी मसाला

सुनील पाल ने कहा, अच्छा है कपिल का शो बंद हो रहा

नई दिल्ली। कॉमेडी किंग कपिल शर्मा इन दिनों लगातार 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को लेकर खबरों में बने हुए हैं। इस बार कपिल अपना शो टीवी पर नहीं, बल्कि नेटफ्लिक्स पर लेकर आए हैं। खास बात ये भी रही कि कई सालों के बाद दर्शकों को कपिल और सुनील ग्रोवर की जोड़ी एक साथ पर्दे पर देखने को मिली। शो पर कई सितारों ने अपनी मौजूदगी से चार-चांद लगाया। लेकिन ये पहला ऐसा मौका रहा जब इस शो को दर्शकों का उतना प्यार नहीं मिला, जितना हर बाद देखने को मिलता था। ऐसे में बीते दिनों कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के बंद होने की खबर ने उनके फैंस को काफी हैरान कर दिया। ऐसे में अब सुनील पाल ने कपिल के शो के बंद होने की खबर पर रिएक्ट किया है। सुनील पाल ने कहा, ''द ग्रेट इंडियन कपिल शो' जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग हो रहा था। सुनने में आ रहा है कि ये शो बंद हो रहा है। तो मैं कपिल से ये कहना चाहूंगा कि अच्छा है जो आपका शो यहां से बंद हो रहा है, क्योंकि आप नेटफ्लिक्स ओटीटी के आर्टिस्ट नहीं हो, आप टीवी के घर-घर के आर्टिस्ट हो। मैंने कहा था कि घर-घर में देखा जाता है सिर्फ कपिल शर्मा को।

टीवी से परिणीति ने किया था डेब्यू

नई दिल्ली। अमर सिंह चमकीला में अपनी एक्टिंग के लिए सुर्खियां बटोर रहीं परिणीति चोपड़ा के बारे में सब जानते हैं कि उन्होंने फिल्म 'इश्कजादे' से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, ऐसा है नहीं। परिणीति ने फिल्मों से नहीं, बल्कि टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। परिणीति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुराना वीडियो शेयर करते हुए लिखा- ' मॉय रीयल डब्यू।' परिणीति ने जो वीडियो शेयर किया उसमें वो दूरदर्शन के किसी शो में गाना गाती नजर आ रही हैं। परिणीति ने 13 साल की उम्र में सबसे पहले कैमरा फेस किया था। वीडियो में वो लाल रंग का सूट पहने हुई हैं। परिणीति वीडियो में दूसरे बच्चों के साथ से 'अपने देश की सेवा करेंगे हम' गाना गाती नजर आ रही हैं। परिणीति की थ्रोबैक वीडियो देखकर फैंस हैरान हैं। परिणीति चोपड़ा इन दिनों 'अमर सिंह चमकीला' की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं।

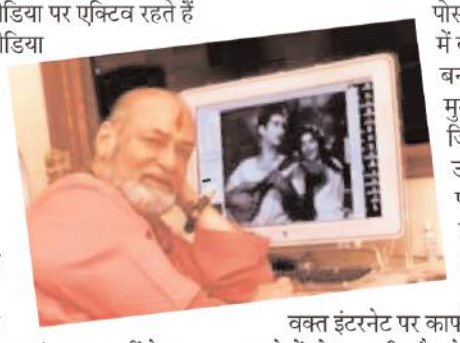

शम्मी कपूर भारत में इंटरनेट आने से पहले ही थे ऑनलाइन एक्टिव...

इंडस्ट्री का बना कंप्यूटर गुरु

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जीनत अमान, वैजयंती माला और जीतेंद्र सहित कई पुराने दौर के एक्टर हैं, जो आज सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और लोगों के साथ सोशल मीडिया पर भी जुड़े रहते हैं। लेकिन, इनमें से 'इंडस्ट्री का कंप्यूटर गुरु' कोई नहीं बना। जबकि शम्मी कपूर भारत में इंटरनेट आने से पहले ही ऑनलाइन एक्टिव था।

शम्मी कपूर ने 'कभी खुद को कहा 'जंगली' तो कभी कहा 'जानवर'। लेकिन, जब इनका अंदाज देखा तो सबने कहा 'तुम सा नहीं देखा कोई दूसरा हुजूर। उसके जीन में अदाकारी था। उस खानदान में वह पैदा हुए, जहां थिएटर पेशा भी था और व्यवसाय भी। घर में रात-दिन सिर्फ एक्टिंग की बातें हुआ करती थी। उन्होंने मुमताज, साधना, जीनत अमान सहित कई दिग्गज अभिनेत्रियों के साथ स्क्रीन को शेयर किया। उन्होंने 60-70 के दशक में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में देकर अपने पिता का नाम रोशन किया। जिस दौर में लोग डाकघर में चिट्ठियों को पोस्ट किया करते थे, उस दौर में वह इंडस्ट्री का कंप्यूटर गुरु बन गए थे। शम्मी कपूर और मुमताज के प्यार के किस्से जितने मशहूर हैं, उतना ही उनका कंप्यूटर से प्यार में पड़ जाने वाले किस्से हैं। जब भारत में ज्यादातर लोग इंटरनेट के बारे में जानते भी नहीं थे, शम्मी उस वक्त इंटरनेट पर काफी एक्टिव हो चुके थे। ये सुनने में थोड़ा अजीब है, लेकिन ये सच है। जिस दौर में लोग पर्सनल कंप्यूटर के बारे में सोचते भी नहीं थे, शम्मी के पास खुद का कंप्यूटर और इंटरनेट हुआ करता था। वह कंप्यूटर के घरेलू इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले पहले भारतीय थे।

'पंचायत' 28 मई होगी रिलीज

नई दिल्ली। वेब सीरीज 'पंचायत' के पिछले दो सीजन दर्शकों के बीच जबरदस्त हिट रहे। अब इसका तीसरा सीजन आने वाला है। पिछले कई दिनों से दर्शक इसकी रिलीज डेट को लेकर लंबे वक्त से कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, प्राइम वीडियो के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्टर साझा कर रिलीज डेट का खुलासा कर दिया था। इसके साथ लिखा था, 'आपने लौकी हटाई, हमने पुरस्कार में आपके लिए रिलीज डेट का खुलासा कर दिया'। सीरीज 28 मई को रिलीज होगी। सीरीज में जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक और अन्य जैसे लोकप्रिय चेहरे शामिल हैं।

अजय की नेट वर्थ 427 करोड़ रुपए बताई जाती है

ओटीटी के सबसे महंगे स्टार हैं अजय देवगन

पिछले 2-3 साल में ओटीटी की दुनिया में बड़ा उछाल देखा गया। खासकर कोविड-19 महामारी के कारण थिएटर बंद होने के बाद। ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अजय देवगन, सैफ अली खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, सोनाक्षी सिन्हा और सामंथा रुथ प्रभु जैसे बड़े सुपरस्टारों को अट्रैक्ट कर रहे हैं जो भारत के पॉपुलर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स, डिज्नी प्लस, हॉटस्टार, जी 5 का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं।

नई दिल्ली। जैसे-जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म की पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही है कई कलाकार भी उन पर आने के लिए अच्छी-खासी फीस ले रहे हैं। कुछ सुपरस्टार्स अपने ओटीटी शोज के जरिए करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। ओटीटी पर सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन हैं। जिन्होंने 2022 में हॉटस्टार के क्राइम थ्रिलर शो 'रुद्रः द एज ऑफ डार्कनेस' से अपना ओटीटी डेब्यू किया था।

अजय देवगन हमेशा से ही बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर्स में से एक रहे हैं, लेकिन अपनी वेब सीरीज के बाद अजय देवगन ओटीटी पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर भी बन गए। एक रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अजय देवगन ने 'रुद्रः द एज ऑफ डार्कनेस' के सात एपिसोड के लिए 125 करोड़ रुपए की भारी भरकम फीस ली है। यह सीरीज ब्रिटिश शो 'लूथर' का ऑफीशियल रीमेक है। कथित तौर पर अजय देवगन ने प्रति एपिसोड 18 करोड़ रुपए लिए जिससे वह भारत में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले ओटीटी स्टार बन गए। अजय देवगन की नेट वर्थ 427 करोड़ रुपए बताई जाती है। ओटीटी में एक और पॉपुलर एक्टर मनोज बाजपेयी हैं जो वेब सीरीज और फिल्मों में एक्टिंग के लिए अच्छी खासी फीस लेते हैं। वह क्राइम थ्रिलर सीरीज 'द फैमिली मैन' में श्रीकांत तिवारी के रोल के बाद सबके फेवरेट बन गए।

बिग बी और रजनीकांत की जोड़ी ने तोड़े हैं कमाई के सारे रिकॉर्ड

मुंबई। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज कलाकार हैं। अपनी बहुमुखी अदाकारी से दोनों ने लगातार दर्शकों का मनोरंजन किया है। इन दिनों दोनों अभिनेता अपनी आगामी फिल्मों को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। अमिताभ नाग अश्विन द्वार निर्देशित 'कल्कि 2898 ए.डी.' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रजनीकांत मशहूर निर्देशक लोकेश कनक राज की फिल्म 'कुली' में नजर आने वाले हैं। गत दिवस अमिताभ ने रजनीकांत के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी। दोनों के प्रशंसक इसे देख कर काफी उत्साहित हो गए थे। दशकों तक लगातार फिल्मों में सक्रिय रहने के दौरान दोनों अभिनेताओं ने कुछ मौकों पर साथ में स्क्रीन साझा किया है।

साल 1991 में रिलीज हुई इस फिल्म में अमिताभ और रजनीकांत साथ में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत ने अमिताभ के छोटे भाई का किरदार निभाया था। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी मुकुल आनंद ने संभाली थी। फिल्म में इन दोनों कलाकारों के अलावा गोविंदा, किमी काटकर, डैनी डेंजोंगपा, अनुपम खेर आदि कलाकार भी नजर आए थे। फिल्म एक ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी।

खबर संक्षेप

सोने में 230 रुपए की बढ़त, चांदी 700 रु. चढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोना 230 रुपये की बढ़त के साथ 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,020 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इंडियन बैंक के लाभ में 55 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का 2023-24 की चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 55 प्रतिशत बढ़कर 2,247 करोड़ रुपये रहा है। बैंक का 2022-23 की चौथी (मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 1,447 करोड़ रुपये था। जनवरी मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 16,887 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 की चौथी तिमाही में 14,238 करोड़ रुपये थी।

अरविंद लिमिटेड का शुद्ध लाभ 104.42 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। कपड़ा विनिर्माता कंपनी अरविंद लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 7.32 प्रतिशत बढ़कर 104.42 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 97.3 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही में आय 2,074.51 करोड़ रुपये रही जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 1,880.76 करोड़ रुपये थी।

टाइटन के शेयर में 7% से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली। टाइटन कंपनी के शेयर में सोमवार को सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 22,527.56 करोड़ रुपये तक घट गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 7.18 प्रतिशत गिरकर 3,281.65 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 7.87 प्रतिशत गिरकर 3,257.05 रुपये पर आ गया था।

मैरिको का मुनाफा 4.9 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी मैरिको लिमिटेड का मार्च, 2024 को बीते वर्ष की चौथी तिमाही का उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 4.9 प्रतिशत बढ़कर 320 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 305 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा कमाया था।

टीमलीज का रोजगार देने जेनपैक्ट से समझौता

मुंबई। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप (टीएलडीए) ने सोमवार को कहा कि उसने शिक्षा मंत्रालय के प्रशिक्षु (अप्रेंटिसशिप) कार्यक्रम के माध्यम से 5,000 से अधिक स्नातक प्रशिक्षुओं को रोजगार देने के लिए वैश्विक पेशेवर सेवा एवं समाधान फर्म जेनपैक्ट से हाथ मिलाया है। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के उपाध्यक्ष धृति प्रसन्न महंत ने बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के तहत जेनपैक्ट 5,000 स्नातक प्रशिक्षुओं को कौशल हासिल होने के बाद रोजगार देगी।

गोयनका के बयान से ब्रोकर्स नाराज, कहा- उन्हें नहीं सेबी के नियमों की जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आरपीजी एंटप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयंका ने शेयर बाजार में हर्षद मेहता और केतना मेहता दौर की वापसी को लेकर सोशल मीडिया में किए गए पोस्ट पर देश के स्टॉक ब्रोकर्स बेहद नाराज हो गए हैं। एसोसिएशन ऑफ नेशनल एक्सचेंज मेंबर्स ऑफ इंडिया ने हर्ष गोयंका के इस पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि उनके द्वारा किसी खास समुदाय - रीजन के ब्रोकर्स पर ये आरोप लगाना निंदनीय है।

- एएनएमआई ने गोयनका के पोस्ट पर की कड़ी आपत्ति

एएनएमआई जो कि एनएनई, बीएसई और दूसरे स्टॉक एक्सचेंजों में ट्रेडिंग करने वाले सदस्यों की

सोशल मीडिया में पोस्ट कर कहा था- हर्षद मेहता के दौर की वापसी

हर्षद मेहता के पोस्ट से मचा बवाल

दरअसल 4 मई 2024 को हर्ष गोयंका ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट के जरिए तहलका मचा दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, शेयर बाजार में जोरदार तेजी के साथ कोलकाता में हर्षद मेहता और केतन मेहता के दौर की वापसी हो चुकी है। गुजराती - मारवाड़ी ब्रोकर्स के साथ मिलकर कोलकाता बेस्ड कंपनियों के प्रमोटर्स बढ़ा चढ़ाकर मुनाफा दिखा रहे हैं और अपनी कंपनियों के शेयरों को जबरदस्त ऊपर भगा रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी और वित्त मंत्रालय को भी टैग करते हुए दखल देने की मांग की है।

किसी एक समूदाय के लोगों को किया टारगेट

गोयनका का ये आरोप बगैर किसी आधार और बिना किसी सबूत के है। एएनएमआई ने लिखा, एक्सचेंजों और सेबी द्वारा कड़े निगरानी उपायों की जानकारी की कमी उनमें (हर्ष गोयनका) में साफ नजर आ रही है। उन्होंने किसी एक खास समुदाय के लोगों को टारगेट किया।

पैन इंडिया बॉडी है। एएनएमआई ने हर्ष गोयनका के पोस्ट पर अपने जवाब में लिखा, हर्ष गोयनका द्वारा किसी खास कम्यूनिटी/रीजन के ब्रोकर्स के खिलाफ इस प्रकार का आरोप लगाया जाना बेहद निंदनीय है।

कोलकाता बेस्ड कंपनियों ने दिया जोरदार रिटर्न

हर्ष गोयनका ने अपने पोस्ट में कोलकाता बेस्ड उन कंपनियों का नाम नहीं लिखा है जिनके शेयरों में बीते एक साल में जोरदार तेजी देखने को मिली है। लेकिन कोलकाता बेस्ड ऐसी कई कंपनियां हैं जिन्होंने अपने शेयरधारकों को जोरदार रिटर्न दिया है। हालांकि इन कंपनियों ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर ये रिटर्न दिया है। इन कंपनियों में सबसे पहला नाम जय बालाजी इंडस्ट्रीज का आता है जिसके स्टॉक ने एक साल में निवेशकों को 1500 फीसदी रिटर्न दिया है।

प्रायोगिक चरण में 700 मेगावाट के प्रीमियम बैंड पेश

पंजाब में 4जी सेवा के लिए आठ लाख ग्राहकों को जोड़ चुकी

स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित होगी 4जी सेवाएं

बीएसएनएल इस साल अगस्त से देशभर में शुरू करेगी 4जी सेवाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल इस साल अगस्त से पूरी तरह से स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित 4जी सेवाएं देशभर में शुरू कर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के अधिकारियों ने 4जी नेटवर्क पर 40-45 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) की अधिकतम गति दर्ज करने का दावा किया है। इसे पायलट या प्रायोगिक चरण के दौरान 700 मेगाहर्ट्ज के प्रीमियम स्पेक्ट्रम बैंड के साथ 2,100 मेगाहर्ट्ज बैंड में भी पेश किया गया है।

- 4जी नेटवर्क पर 40-45 एमबीपीएस की अधिकतम गति होगी

टीसीएस व सी-डॉट से गठजोड़

कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और दूरसंचार अनुसंधान संगठन सी-डॉट के नेतृत्व वाले गठजोड़ द्वारा स्वदेशी स्तर पर विकसित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए पंजाब में 4जी सेवाएं शुरू की हैं और वह लगभग आठ लाख ग्राहकों को अपने साथ जोड़ चुकी है।

नेटवर्क आगे 5जी में अद्यतन हो सकेगा

टीसीएस, तेजस नेटवर्क और सरकारी स्वामित्व वाली आईटीआई को 4जी नेटवर्क तैनात करने के लिए बीएसएनएल से लगभग 19,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। इस नेटवर्क को आगे चलकर 5जी में अद्यतन किया जा सकता है।

नेटवर्क पर सी-डॉट कोर उपलब्ध नहीं

तेजस नेटवर्क के कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी अर्नब रॉय ने हाल ही में कहा था कि बीएसएनएल का मोबाइल नेटवर्क विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भी बीएसएनएल नेटवर्क पर सी-डॉट कोर उपलब्ध नहीं है, वहां उपकरण को मौजूदा कोर में एकीकृत किया जा रहा है।

ग्राहकों को नया सिम लेना होगा

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बीएसएनएल पिछले चार-पांच वर्षों से केवल 4जी-सक्षम सिम बेच रही है। ऐसे में सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को 4जी सेवा का अनुभव लेने के लिए नया सिम लेना होगा जिनके पास पुराना सिम है।'

पंजाब में नेटवर्क का अच्छा प्रदर्शन

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'सी-डॉट का बनाया हुआ 4जी कोर पंजाब में बीएसएनएल नेटवर्क में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसे पिछले साल जुलाई में स्थापित किया गया था। ऐसी जटिल प्रौद्योगिकी की सफलता साबित करने में 12 महीने लग जाते हैं लेकिन सी-डॉट कोर 10 महीने के भीतर ही स्थिर हो गया है।'

पूरे देश में आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी की पेशकश

इस अधिकारी ने नाम सामने न आने की शर्त पर कहा, 'बीएसएनएल अगस्त में पूरे देश में आत्मनिर्भर 4जी प्रौद्योगिकी की पेशकश करेगा।' कोर नेटवर्क एक ऐसा समूह है जिसमें दूरसंचार सेवा से जुड़े नेटवर्क हार्डवेयर, उपकरण और सॉफ्टवेयर शामिल होते हैं।

4जी सेवा के लिए 9000 से अधिक टावर स्थापित

बीएसएनएल पूरे भारत में 4जी और 5जी सेवाओं के लिए 1.12 लाख टावर लगाने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने देशभर में 4जी सेवा के लिए 9,000 से अधिक टावर स्थापित किए हैं। इनमें से 6,000 से अधिक टावर पंजाब, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा सर्किल में हैं।

कोल इंडिया का सरकारी खजाने में 60 हजार करोड़ का योगदान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत बढ़ी
- योगदान रॉयल्टी समेत अन्य शुल्क के रूप में दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) का सरकारी खजाने को योगदान वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत बढ़कर 60,140.31 करोड़ रुपये रहा है। यह योगदान रॉयल्टी समेत अन्य शुल्क के रूप में दिया गया।

घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में सरकारी खजाने में 56,524.11 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। सरकार को इस साल मार्च में दिया गया कुल शुल्क भी 14.8 प्रतिशत बढ़कर 6,069.18 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2022-23 के इसी महीने में 5,282.59 करोड़ रुपये था। सरकारी खजाने को प्राप्त कुल 60,140.42 करोड़ रुपये में से सबसे ज्यादा राशि 13,268.55 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिली। वहीं ओडिशा सरकार को 12,836.20 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ को 11,890.79 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 10,865.96 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र एवं अन्य को 6,188.89 करोड़ रुपये मिले। कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य मदों से राजस्व प्राप्त किया।

राज्य सरकारें रॉयल्टी 14 फीसदी पाने हकदार

राज्य सरकारें कोयले के बिक्री मूल्य पर रॉयल्टी का 14 प्रतिशत और प्रस्तावित जिला खनिज फाउंडेशन में योगदान के रूप में रॉयल्टी का 30 प्रतिशत प्राप्त करने की हकदार हैं। डीएमएफ का मकसद परियोजना से प्रभावित लोगों का समर्थन करना है। एनएमईटी का दो प्रतिशत कोयला कंपनियों और निजी क्षेत्र में उत्पादित कोयले से प्राप्त होता है।

सेंसेक्स स्थिर, निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- बाजार में सीमित दायरे में कारोबार होता रहा
- ऊंचे मूल्यांकन को लेकर निवेशकों में चिंता

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को सीमित दायरे में कारोबार हुआ और बीएसई सेंसेक्स लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। ऊंचे मूल्यांकन को लेकर चिंता के बीच निवेशकों की सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार एक दायरे में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 17.39 अंक की मामूली बढ़त के साथ 73,895.54 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 33.15 अंक की गिरावट के साथ 22,442.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक पांच प्रतिशत चढ़ गया। बैंक का लाभ मार्च तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 5,302 करोड़ रुपये रहने की सूचना के बाद इसका शेयर चढ़ा। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और इंडसइंड बैंक में भी प्रमुख रूप से बढ़त रही। दूसरी तरफ टाइटन सात प्रतिशत लुढ़क गया। कंपनी का मार्च तिमाही का वित्तीय परिणाम निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहा। भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी नुकसान में रहे

पेटीएम के शेयर में पांच प्रतिशत की गिरावट

वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर में सोमवार को पांच प्रतिशत की गिरावट आई। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है। कंपनी के चेयरमैन एवं मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता के इस्तीफा देने के बाद शेयरों में गिरावट आई। बीएसई पर फिनटेक कंपनी के शेयर 4.99 प्रतिशत गिरकर 351.70 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह पांच प्रतिशत गिरकर 351.40 रुपये पर आ गया।

एनर्जी मिशन मशीनरीज का आईपीओ नौ मई को खुलेगा ...

नई दिल्ली। एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 131-138 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। कंपनी का 41 करोड़ रुपये का निर्गम नौ मई को खुलकर 13 मई को बंद होगा। कंपनी के शेयर एनएसई एसएमई के मंच 'इमर्ज' पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, निर्गम के तहत 10 रुपये अंकित मूल्य के 29.82 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। कंपनी निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए करना चाहती है। इसमें सिविल निर्माण कार्य...गुजरात के साणंद में मौजूदा विनिर्माण इकाई में एक नया संयंत्र तथा मशीन शामिल हैं।

ब्रांड इंडिया पहले से अधिक परिपक्व व बेबाक ब्रांड है

एजेंसी ▶▶ सांता क्लारा

- भारत ने दुनिया की स्टार्टअप राजधानी के रूप में बनाई पहचान
- अब विश्व भारत की तरफ देख रहा

शीर्ष विपणन अधिकारी ने कहा कि भारत ने दुनिया की स्टार्टअप राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। साथ ही 'ब्रांड इंडिया'' दो दशक पहले की तुलना में अधिक परिपक्व और बेबाक ब्रांड के रूप में उभरा है।

टीआईई सिलिकॉन वैली के मुख्य विपणन अधिकारी अजय मंगलानी ने कहा कि भारत ने

स्टार्टअप राष्ट्र श्रेणी में अपनी पहचान बनाई है। यहां से कई बेहतरीन स्टार्टअप कंपनियां निकली जो अब परिपक्व व्यवसाय बन गई हैं।

भारत मूल्य संचालित देश बनेगा: एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विश्व भारत की ओर देख रहा है। मंगलानी ने कहा, 'दुनिया इस पर ध्यान दे रही है...भारत एक मूल्य संचालित देश बन गया है, जैसा कि हम हमेशा से अपने मूल मूल्यों जैसे विश्वास, समर्थन, ईमानदारी, अंतर्दृष्टि और इन सभी के साथ खड़े रहे हैं। हम आज जहां है दुनिया वास्तव में उसकी सराहना करती है..।'

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के दम पर अप्रैल में 14 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 थी जो अप्रैल में गिरकर 60.8 हो गई। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला।

- मजबूत मांग के दम पर पीएमआई उच्च स्तर पर पहुंची

आउटपुट इंडेक्स 61.5

इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अप्रैल में 61.5 रहा जो मार्च में 61.8 था। यह 14 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है। भंडारी ने कहा, 'समग्र गतिविधि के संदर्भ में, विनिर्माण व सेवा दोनों क्षेत्रों में कुल उत्पादन अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा यद्यपि थोड़ी धीमी गति से जो इन क्षेत्रों में निरंतर बेहतरी का संकेत देता है।'

अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात में भारत की हिस्सेदारी होगी 50 फीसदी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने 2027-28 तक के लिए लगाया अनुमान

भारतीय एयरलाइन कंपनियां वित्त वर्ष 2027-28 तक देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात की 50 प्रतिशत जरूरत को पूरा करने में सक्षम होंगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को यह अनुमान लगाया है। एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में भारतीय एयरलाइन कंपनियों की हिस्सेदारी (जिसमें देश से होकर गुजरने वाला यातायात भी शामिल है) 2027-28 तक 50 प्रतिशत हो जाएगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 43 प्रतिशत थी। क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह सुधार भारतीय एयरलाइन द्वारा अतिरिक्त विमानों की तैनाती और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में नए मार्ग जोड़ने के साथ-साथ विदेशी एयरलाइन की तुलना में बेहतर घरेलू संपर्क के बल पर होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय यातायात में उनकी बढ़ती हिस्सेदारी के चलते भारतीय एयरलाइन कंपनियों की व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी, जो घरेलू क्षेत्र की तुलना में अधिक लाभदायक है।

यात्री यातायात सात करोड़ तक बढ़ गया

क्रिसिल के अनुसार, भारत का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात वित्त वर्ष 2023-24 में करीब सात करोड़ तक बढ़ गया। यह वैश्विक महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है। वैश्विक महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में यह एक करोड़ के निचले स्तर पर आ गया था।

आईसीआईसीआई बैंक ने शुरू की सुविधा

अंतरराष्ट्रीय नंबर से भी एनआरआई कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अपनी यूपीआई सेवाओं को इस समय पूरी दुनिया में ले जाने के लिए प्रयास कर रहा है। कई देशों के साथ इस संबंध में समझौता हो भी चुका है। इसके अलावा कई और देश यूपीआई सर्विस को अपने यहां शुरू करने के लिए तैयार बैठे हैं।

- कई देशों के साथ इस संबंध में हो चुका समझौता

इसी क्रम में विदेशों में जा बसे भारतीयों को आसानी से यह सेवा उपलब्ध करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक ने कदम आगे बढ़ाए हैं। आईसीआईसीआई बैंक के एनआरआई कस्टमर अब अपने इंटरनेशनल मोबाइल नंबर का इस्तेमाल भारत में यूपीआई पेमेंट के लिए कर सकेंगे।

आसानी से भर सकेंगे यूटिलिटी बिल

आईसीआईसीआई बैंक ने सोमवार को बताया कि एनआरआई कस्टमर अब आसानी से बिजली और पानी जैसे यूटिलिटी बिल भर सकेंगे। साथ ही मर्चेंट एवं ईकॉमर्स ट्रांजेक्शन भी किए जा सकेंगे। इसके लिए वह आईसीआईसीआई बैंक के एनआरई और एनआरओ अकाउंट में रजिस्टर इंटरनेशनल बैंक नंबर का इस्तेमाल कर सकेंगे। बैंक ने यह सर्विस अपने मोबाइल बैंकिंग एप आईमोबाइल पे के जरिए शुरू की है। अभी तक एनआरआई को भारतीय मोबाइल नंबर यूपीआई पेमेंट्स के लिए रजिस्टर कराना होता था।

एनपीसीआई की मदद से चलेगी यह सर्विस

बैंक के डिजिटल चैनल और पार्टनरशिप हेड सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि हम एनपीसीआई के साथ मिलकर यह सुविधा शुरू करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। अब इन 10 देशों में रह रहे भारतीयों को अपने अकाउंट में भारतीय मोबाइल नंबर रजिस्टर करने की आवश्यकता नहीं होगी।

10 देशों में शुरू की गई यह सेवा

बैंक ने बताया कि इस सेवा को शुरू करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा निर्धारित इंटरनेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाया गया है। बैंक यह सेवा 10 देशों में प्रदान करेगा। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, कनाडा, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, हॉन्गकॉन्ग, ओमान, कतर और सऊदी अरब शामिल हैं। अब बैंक के एनआरआई कस्टमर किसी भी भारतीय क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई आईडी, मोबाइल नंबर यह बैंक अकाउंट में पैसा भेज सकेंगे।

जियो, एयरटेल और वोडाफोन स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग लेंगी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियों ने छह जून से शुरू होने वाली 96,317 करोड़ रुपये की स्पेक्ट्रम नीलामी में बोली लगाने के लिए आवेदन जमा कर दिया है। इससे पहले 2022 में हुई पिछली नीलामी में अदाणी समूह की कंपनी का नाम आश्चर्यजनक रूप से बोली लगाने वालों में आया था। हालांकि, इस बार की नीलामी में कोई नया नाम नहीं है। एक आधिकारिक सूत्र ने सोमवार को बताया, 'रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए आवेदन जमा किए हैं।'

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

पीएम मोदी ने ओडिशा के बेहरामपुर, नबरंगपुर और गंजम में भरी हुंकार

परमात्मा ने ओडिशा को सबकुछ दिया, ओडिशा अमीर, लेकिन यहां के लोग गरीब, प्रभु जगन्नाथ की धरती पर हूं और आशीर्वाद लेने आया हूं

एजेंसी ▶▶ बेरहामपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और स्टार प्रचारक पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को ओडिशा और आंध्र प्रदेश के चुनावी दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने ओडिशा के बेरहामपुर में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान जनसभा में उपस्थित लोगों से पीएम मोदी ने कहा कि कल मैं प्रभु राम की नगरी अयोध्या में था वहां मैंने रामलला और अयोध्या दर्शन किए आज मैं प्रभु जगन्नाथ की धरती पर हूं और आशीर्वाद लेने आया हूं।

उन्होंने कहा कि ओडिशा में उपजाऊ भूमि, खनिज संसाधन, समुद्री तट, बेरहामपुर जैसा व्यापार केंद्र, संस्कृति, विरासत और न जाने क्या-क्या है, परमात्मा ने ओडिशा को सबकुछ दिया हैं फिर भी इतने अमीर ओडिशा के लोग गरीब रह गए हैं। ओडिशा अमीर है लेकिन जनता गरीब हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बीजेडी अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं और सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है।

ओडिशा के चुनाव दौरे पर आए पीएम मोदी ने कहा कि यहां बीजेडी अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं और सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है। उन्होंने कहा कि 4 जून को बीजेडी सरकार की एक्सपाइरी डेट लिखी हुई है।

ओडिशा में सिर्फ भाजपा उम्मीदों का नया सूरज बनकर आई है

ओडिशा में बीजेडी अस्त है, कांग्रेस पस्त है और लोग भाजपा पर आश्वस्त हैं

4 जून बीजेडी सरकार की एक्सपाइरी डेट

गंजम में चुनावी रैली में पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है, यहां सरकार बनने के बाद हम पूरी शक्ति से हमारी सभी घोषणाओं पर अमल करेंगे। 4 जून को बीजेडी सरकार की एक्सपाइरी डेट लिखी हुई है। आज 6 मई है और 6 जून को भाजपा के मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय होगा, 10 जून को भुवनेश्वर में भाजपा पार्टी के मुख्यमंत्री पद का शपथ समारोह होगा।

ओडिशा सरकार को महिलाओं के हितों की परवाह नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि आज ओडिशा में जो सरकार है, उसे महिलाओं के हितों की कोई परवाह ही नहीं है। केंद्र सरकार हर गर्भवती महिला को 6 हजार रुपए की आर्थिक मदद दे रही है। ओडिशा सरकार ने इतनी महत्वपूर्ण और पवित्र योजना पर भी ताला लगा दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। ओडिशा भाजपा की सुभद्रा योजना, यहां महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करेगी।

बीजेडी सरकार में लोगों को अवसर नहीं

नबरंगपुर में पीएम मोदी ने कहा कि नबरंगपुर से छत्तीसगढ़ की दूरी 50-60 किलोमीटर है। वहां, भाजपा सरकार 3,100 रुपए प्रति क्विंटल पर धान खरीदती है। जबकि यहां ओडिशा 2,100 रुपए में धान खरीदा जाता है। ओडिशा भाजपा ने घोषणा की है कि भाजपा सरकार बनने के दूसरे ही दिन 3,100 रुपए प्रति क्विंटल पर धान खरीदा जाएगा। पीएम ने कहा कि मुझे यह देखकर दुख होता है कि बीजेडी सरकार ने आपको सही अवसर नहीं दिए।

केंद्र सरकार ने 10 हजार करोड़ दिए

पीएम ने कहा कि 10 साल में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए से ज्यादा ओडिशा को दिए हैं। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपए ओडिशा को दिए। वो पैसे यहां की सरकार सही से खर्च ही नहीं कर पाई। वे गांव में सड़कें बनाने के लिए पैसा भेजता है, लेकिन यहां गांवों में सड़कों की हालत खराब है। दिल्ली से मुफ्त चावल के लिए केंद्र पैसे भेजता है, लेकिन बीजेडी सरकार इस पर भी अपना फोटो चिपका देती है।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला

मोदी जी डोजियर नहीं, डोज देते हैं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने मुंबई हमले में बलिदान हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या पर बड़ा दावा किया था। इसे लेकर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। सुधांशु ने कहा कि एक तरफ कांग्रेस सरकार थी जो 26/11 हमले के बाद भी डोजियर देते थे और दूसरी तरफ मोदी सरकार है जो डोजियर नहीं डोज देती है। सुधांशु ने कहा कि वडेट्टीवार ने 26/11 के लिए पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की है, लेकिन वो सफल नहीं होंगे। यह सब पाकिस्तान की भाषा है।

प्रमोद कृष्णम का दावा, राहुल ने कहा था

कांग्रेस सरकार बनने पर पलट देंगे राम मंदिर फैसला

संभल। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा है कि जब राम मंदिर का फैसला आया तो राहुल गांधी ने अपने करीबियों के साथ बैठक की थी। इसमें कहा था कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद वह एक सुपरपावर कमेटी का गठन करेंगे। राम मंदिर के फैसले को वैसे ही पलट देंगे जैसे राजीव गांधी ने शाह बानो के फैसले को पलट दिया था। कहा कि राहुल गांधी और उनकी टीम इस देश को किसी न किसी बहाने से तोड़ना चाहती है। राहुल गांधी और उनकी टीम देश को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर तोड़ने में लगी है।

500 लोगों की कोर टीम, 20 गांवों का रोजाना दौरा

अमेठी-रायबरेली के लिए प्रियंका का मेगा प्लान

लखनऊ। प्रियंका गांधी वाड्रा 12 दिनों के लिए रायबरेली के भुवेमऊ गेस्ट हाउस में डेरा डालेंगी। क्योंकि उनके सामने पारिवारिक विरासत को बचाने और बीजेपी से अमेठी को वापस जीतने की सबसे बड़ी चुनौती है। प्रियंका यहां 12 दिन में रोजाना 20 गांव में दौरा करेंगी। उनकी कोर टीम में 500 लोग शामिल हैं। ये सभी विश्वासपात्र कार्यकर्ता हैं।

जेपी नड्डा का कांग्रेस पर निशाना

वो फर्जी वादों और अपराधियों के सहारे सत्ता में आना चाहते हैं

पेद्दापल्ली (तेलंगाना)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। नड्डा ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी फर्जी वादों, फर्जी नारों, वोट बैंक की राजनीति और अपराधियों के जरिए किसी भी तरह से सत्ता में आने की कोशिश करती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तेलंगाना के पेद्दापल्ली में एक जनसभा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमने वह युग देखा है जब कांग्रेस शासन कर रही थी

और जब हम इसे याद करते हैं, तो हमें भ्रष्टाचार, नीतिगत पंगुता और अनिर्णय की चिंताओं को याद करना चाहिए जो उनके कारण हुई। शासन मॉडल और कांग्रेस फिर से देश को उसी युग में पीछे धकेलना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फर्जी वादों, फर्जी नारों, वोट बैंक की राजनीति और अपराधियों के जरिए किसी भी तरह से सत्ता में आने की कोशिश करती है। आज, मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वंशवादी राजनीति को त्याग दिया है और विकास की राजनीति आगे बढ़ रहा है। जेपी नड्डा ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की और दावा किया कि देश आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम 'सबका साथ, सबका विकास' के विचार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत एक वैश्विक नेता के रूप में चमक रहा है।

बिहार में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू व इनके बेटे बैठे हैं

पटना। गृह मंत्री अमित शाह ने उजियारपुर में कहा कि मैं लालू यादव को कहना चाहता हूं। इसी कांग्रेस ने पिछड़ों का विरोध किया। मंडल कमीशन का विरोध किया। पिछड़ा समाज के विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू व इनके बेटे बैठे हैं। भाजपा ने सबसे पहले पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग का पीएम बनाया है। गरीब चाय बेचने वाले को पीएम बनाया है। लालू जी के लालटेन व पंजे के साथ अन्याय, भूखमरी, गरीबी तो एनडीए के साथ आने पर डबल इंजन सरकार मिलेगी जो बिहार को आगे बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को सम्मान दिया

गृह मंत्री शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जी ने 'भारत रत्न' देकर जननायक भारत रत्न बनाने का काम किया है। उन्होंने जीवन की अंतिम सांस तक गरीबों-पिछड़ों के लिए काम किया।

भाजपा दिन में सपने देख रही: नवीन

बीजेडी नेता वीके पांडियन ने एक वीडियो में नवीन पटनायक से पूछते हैं कि भाजपा बोल रही है कि वो उड़ीसा में सरकार बनाएगी। इस पर उड़ीसा के सीएम नवीन पटनायक ने हंसते हुए कहा कि भाजपा बहुत दिनों से दिन में सपना देख रही है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की कारगिल यूनिट का इस्तीफा

कारगिल। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सोमवार को बड़ा झटका लगा जब उसकी पूरी कारगिल इकाई ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के चयन को लेकर सामूहिक इस्तीफे की घोषणा की। लद्दाख के अतिरिक्त महासचिव कमर अली अखून ने एक पत्र में पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को इकाई के फैसले से अवगत कराया।

खबर संक्षेप

भाजपा के पूर्व सांसद समेत सात लोग बरी

गांधीनगर। गुजरात उच्च न्यायालय ने आरटीआई कार्यकर्ता अमित जेठवा की हत्या के मामले में भाजपा

के पूर्व सांसद समेत सात लोगों को बरी कर दिया है। इन लोगों को सीबीआई अदालत ने दोषी ठहराया था। इसी के खिलाफ भाजपा के पूर्व सांसद दीनू सोलंकी और अन्य छह लोगों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और अपील दी थी, जिसे अदालत ने सोमवार को स्वीकार कर लिया।

के. कविता की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को एक्साइज पॉलिसी केस में सीबीआई और ईडी

के केस में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने कहा कि उन्हें राहत देने के लिए यह सही समय नहीं है। इससे पहले 23 अप्रैल की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने के. कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ाई थी।

सड़क हादसे में 5 की मौत, 20 घायल

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में एक मिनी बस और कार के बीच

टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। सिंघाना के थाना प्रभारी कैलाश चंद यादव ने बताया यह हादसा सोमवार सुबह थली गांव के पास उस समय हुआ जब एक कार मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद एक मिनी बस से टकरा गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

फिर विवादों में घिरे राहुल गांधी, कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों ने लिखा खुला पत्र

181 शिक्षाविदों ने कांग्रेस नेता के दावों को किया खारिज, कानूनी कार्रवाई की मांग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। बीते दिनों विश्वविद्यालय प्रमुखों की चयन प्रक्रिया पर राहुल ने सवाल खड़ा किया था। जिसका विरोध जताते हुए अब कई विश्वविद्यालय के कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों समेत 181 शिक्षाविदों ने खुला पत्र लिखा है। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षाविदों ने एक खुले पत्र में कहा कि कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता के बजाय केवल किसी संगठन से संबद्धता के आधार पर की जाती है। उन्होंने पत्र में राहुल के दावों को खारिज किया है। उन्होंने दावा किया कि कुलपतियों के चयन की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी है तथा इसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित हैं।

कई विश्वविद्यालय के कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों समेत 181 शिक्षाविदों ने नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में राहुल गांधी पर 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कुलपतियों के चयन की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी है तथा इसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित हैं।

चयन प्रक्रिया पूरी तरह अकादमिक और प्रशासनिक

खास बातें

- राहुल गांधी ने झूठ का सहारा लिया
- चयन की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी
- इसमें योग्यता, विद्वत विशिष्टता और निष्ठा के मूल्य समाहित

कार्यालय को बदनाम किया

पत्र में लिखा गया है कि देश भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति और अकादमिक नेताओं के चयन प्रक्रिया के संबंध में हाल ही में दिए गए आधारहीन आरोपों का खंडन किया जाता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि राहुल गांधी ने झूठ का सहारा लिया है और कार्यालय को बदनाम किया है। इसलिए मांग है कि कानून के अनुसार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

क्या कहा था राहुल गांधी ने?

राहुल गांधी ने अपने बयानों में हाल ही में आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता और अहर्ता को ताक पर रख कर कुछ संगठनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंधों के आधार पर की जा रही है।

विश्वविद्यालयों को आगे ले जाने का दृष्टिकोण रहा

पत्र में लिखा गया है कि जिस प्रक्रिया से कुलपतियों का चयन किया जाता है, वह योग्यता, विद्वतापूर्ण विशिष्टता और अखंडता के मूल्यों पर आधारित कठोर, पारदर्शी कठोर प्रक्रिया की विशेषता है। कुलपति चयन की प्रक्रिया पूरी तरह अकादमिक और प्रशासनिक कौशल पर आधारित रही है और इसमें विश्वविद्यालयों को आगे ले जाने का दृष्टिकोण रहा है।

ब्रिगेडियर रैंक पदोन्नति पर सीजेआई बोले

प्रमोशन से जुड़ी कार्रवाई से हम संतुष्ट, अवमानना का मामला नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना में ब्रिगेडियर रैंक में पदोन्नति में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सेना में अधिकारियों के प्रमोशन से जुड़ी कार्रवाई से हम संतुष्ट है। सेना के इस कदम से अदालत के अवमानन का मामला नहीं बनता है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि हमने ही फैसला सुनाया है कि सेना में प्रमोशन के लिए पहले से ही बने पैनल में शामिल अधिकारियों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए लेकिन आदेश सेना की बेंचमार्किंग को रोकने के लिए नहीं है। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि तुलना नहीं होगी तो योग्यताओं का विश्लेषण कैसे होगा।

◆ *सेना में कार्यरत 30 से ज्यादा कर्नल रैंक की महिलाओं ने याचिका दाखिल की थी*

वकील पर भड़के सीजेआई

सीजेआई की टिप्पणी पर याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील हुजेफा ने कहा कि अगर उनके पास एक विशेष चयन बोर्ड है तो आपके पास बिना पैनल के लोग भी हैं। बस वकील की इसी बात पर सीजेआई भड़का गए और कहा, "आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? यह कोई कर्नल का टाइमस्केल है? क्या बिना बेंचमार्किंग के यह कैसे तय किया जा सकता है।"

क्या है पूरा मामला?

सेना में कार्यरत 30 से ज्यादा कर्नल रैंक की महिला अधिकारियों ने एक याचिका दाखिल की। महिला अधिकारियों ने लिंग के आधार पर सेना में प्रमोशन में भेदभाव की शिकायत की। महिला अधिकारियों ने आरोप लगाया कि सेना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्मी में नई प्रमोशन नीति को सरकार ने मार्च की आखिरी हफ्ते में लागू की।

एसओएल का 62वां स्थापना दिवस

उपराष्ट्रपति बोले- शिक्षा सबसे बड़ा अधिकार और बड़ा दान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के 62वें स्थापना दिवस समारोह में

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं है; बल्कि, यह प्रगति, सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला है। यह वह कुंजी है जो प्रगति, समृद्धि और सशक्तिकरण के द्वार खोलती है। शिक्षा सबसे बड़ा अधिकार और दान है। शिक्षा से बड़ा कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

एसओएल ने खोले दरवाजे

इस दौरान उन्होंने और शिक्षा के केंद्र के रूप में भारत की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा को रेखांकित किया और कहा कि देश दृढ़ता से अपने पिछले गौरव को फिर से हासिल करने की राह पर है। नालंदा और तक्षशिला जैसे संस्थानों की शानदार विरासत का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने समकालीन समय में भारत के शैक्षिक परिदृश्य में आदर्श बदलाव और पुनरुत्थान पर प्रकाश डाला। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एसओएल ने उन लोगों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं जो पहले परिस्थितियों से मजबूर थे, जिससे वे अपनी दिनचर्या को बाधित किए बिना शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञान और कौशल के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाया।

अनुयायियों ने आरती, फूल, माला अर्पित की

गोपाल कृष्ण गोस्वामी का वृंदावन में किया अंतिम संस्कार

गोशाला में दी गई भू समाधि, इस्कॉन से जुड़े करीब दस हजार से अधिक भक्तों ने किए अंतिम दर्शन, दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▶▶ मथुरा

इस्कॉन गवर्निंग कॉउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन गोपाल कृष्ण गोस्वामी का सोमवार को वृंदावन में अंतिम संस्कार किया गया। गोपाल कृष्ण गोस्वामी को उनके अनुयायीयों ने इस्कॉन गोशाला में समाधि दी। 6 मई की सुबह 10 बजे इस्कॉन से जुड़े अनुयायी उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली से लेकर वृंदावन पहुंचे। जहां रमणरेती क्षेत्र स्थित इस्कॉन मंदिर में पार्थिव शरीर रखने के बाद पार्थिव शरीर महामंत्र करते हुए करीब 500 मीटर दूर स्थित इस्कॉन गोशाला ले जाया गया।

राष्ट्रपति प्रधानमंत्री ने जताया दुख

अंतिम संस्कार के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

विधि-विधान से दी गई समाधि

शाम 5 बजे तक अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर को रखा गया। इसके बाद भू समाधि दी गई। गौशाला के बलराम हॉल में भक्तों ने पार्थिव शरीर के दर्शन किए। अंतिम दर्शन के लिए 10 हजार से ज्यादा भक्त पहुंचे। भक्तों ने उनको जमीन के अंदर करीब 8 फीट नीचे भू समाधि दी। भू समाधि देने से पहले उनके अनुयायियों ने उनकी आरती की, फूल, माला अर्पित की।

सिविल फोर्स भी तैनात

इस्कॉन वृंदावन के प्रवक्ता रवि लोचन दास ने बताया कि अंतिम संस्कार पूरे नियमानुसार विधि विधान से किया गया है। अंतिम संस्कार के दौरान सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए।

महाराज आध्यात्मिक प्रतीक: पीएम मोदी

गोपाल कृष्ण गोस्वामी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। सोशल मीडिया पर पीएम नरेंद्र मोदी ने लिखा- श्रद्धेय श्री गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज आध्यात्मिक प्रतीक थे, जिन्हें भगवान श्री कृष्ण के प्रति अटूट भक्ति और इस्कॉन के माध्यम से उनकी अथक सेवा के लिए विश्व स्तर पर सम्मान दिया जाता था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा- परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उनका जीवन और विरासत दुनियाभर की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके भक्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)